ALL NATIONS GOSPEL PUBLISHERS

Copyright ANGP

www.angp-hb.co.za

info@angp.co.za

THE HEART OF MAN-IN HARYANAVI

मानस का हिरद्य

Copyright ANGP

ALL NATIONS GOSPEL PUBLISHERS
P.O. Box 2191, Pretoria 0001, R.S.A.

(A Gospel Literature Mission financed by donations.)

COPYRIGHT
ISBN 1-919852-05-0

मानस का हिरद्य

(आत्मिक हिरद्य का शीशा)
(दस तस्वीरो मे रूपक बातें)

या किताब अपणैं तस्वीरो सहित पहली बार फ्रांस देश मा सन् 1932 मा लिखी गयी थी। या किताब आत्मिक हिरद्य का शीशा या दिल की कितब भी कहॉ इनै। इसका धर्मशास्त्र की किताब मा सत्य बात का बारे मा उपयोगिता सब तैं पैला यूरोप और अफ्रीका के सभी देशो की भाषा मा लिखी गयी। और सारे जाता का लोग, सारे धर्मा का लोग, सारे लोगा इतने विश्वास तै पढ़ा या पुस्तिका अपणी एक अलगी खूबिया बाता बतावा। इस कारण लोगों की मांग इस किताब कै बारे मॉ बढ़दी जैरी।

Copyright ANGP

या छोटी किताब अफ्रीका देश के लागों के विचार वा ढ़ग पर लिखी गयी। कई अफ्रीकी भाषाओं मा तैयार होगी है। जिसके कारण अफ्रीका के लोगों और देश वासियो के गरों मां, और वहॉ के लोगों के दिल मा जगह बण ली इस किताब ने, या किताब पढ़नै तै बहुतों ने पुराणे नियम मा दिये गये परमेश्वर की आज्ञा का अनुभव करया, जो सच्चा परमेश्वर है। 'जिस तरह कि परमेश्वर के वचन का लिख्यो हुआ है, ' मै तुमने नया मन दूगॉ, औरी थारे अन्दर नया आत्मा को जन्म दूगॉ। यह (36:26) नया नियम मा इब्रानियों की किताब मा आठवॉ पाठ मा दस वचन मा यो पूरा हो है।

मानस का हिरद्य

(परमेश्वर का मन्दिर या शैतान का कारखाना)

(1 यूहन्ना : 3:4–10)

या किताब बहुत किताबा तै अलग है। या एक ऐसी किताब है, जैसा मन का सीस्सा हुआ। या किताब आदमी के दिह की बात सीसे मा सच्ची बतावा। या किताब अपणै तस्वीरों सहित पैली बार फ्रांस देश मा लिखी गयी थी। ओर तब तै या बहुत देशों की भाषाओं मा छाप दी गयी है। हजारों लोगों ने इस किताब ने पद का बहुत आशीष पायी। या सीसे की तरह मन की बात सामर्ण ले कि आवा। जिस तरह सीसा मारे मुँह की बात बतावा उसी तरह या किताब हमारि आत्मा की बात बतावा। जिस तरह परमेश्वर हमने देखा, बहुत लोगों ने इस किताब के परचे पर लिखी बात अपणै हिरद्य मा पापों मा पडया होया देख्या। जद उनै अपणा हिरद्य पाप मा पडया हुआ देख्या, तब उन लोगों ने गेलोगेल परमेश्वर पर्त माफी माँगी, तब उन लोगों ने नया आत्मा पाया।

जद तम इस किताब ने पढ़ा तो कृपा करका इस बात का ध्यान रखा कि या किताब एक सीसा है। जिसमा तम अपणी आत्मा की सच्ची बात देख सकांणी। चाहे तम किसी भी धर्म कै मानने बडै हों। चाहे तम मसीह के मानदे हों, चाहे तम अविश्वासी हों, या अपणै विश्वास तै दूर होंगै हो। इस किताब मां तम अपर्ण तस्वीर नै ठीक उसी तरह देखांगे जिस तरह परमेश्वर लोगों नै देखा। 'लोग तो बाहर का रूप देखां पर मारा महोवा मन की बात का ध्यान रखां है।' (1 शमू हे 16:7) परमेश्वर किसी की गेलों पकसपात नही करदा। वो तो लोगों के हिरद्यो, मनो ने देखा है।

शतान सब झूठे लोगों का पिता है। वो तो अन्धेरे का सरदार है। और इस संसार का ईश्वर बी है। यों तो उजाले का दूत की तरह अपणै आप ने बदल दे। लोगों ने अर औरतों ने दोखा बी देवा यो। यो ठोकर खैडाया का पाप मॉ भी गेर दे। पुराणे समय के समान इन दिनों मा भी बहुत से जूठे प्रेरित

Copyright ANGF

और दोखे बाज काम करणे वाले होवा। यैं अपणैं आप ने प्रभु यीशु मसीह कै प्रेरितों मॉ या रूप भी ले ले। इस मा कोई बड़ी बात नी है। क्योंकि अगर तम देखा, शैतान जो है अपणां आप णै स्वर्गदूत का रूप में धारण कर लै। (2 कुरन्थियों 11:13:14)

शैतान तो अन्धकार का सरदार है। यो तो संसार का ईश्वर भी है। यो लागों कै हिरद्य का विश्वास नै अन्धा कर दै। वो उनका विश्वास इस वास्ता अन्दा कर दै कि लोग परमेश्वर का प्यार अर उसकी महिमा ना देखा और न पछाणा। कि यीशु उद्धारकर्ता पायो तै मुक्ति देणे वादा प्रभु यीशु मारे वास्ता मारा गया। कि लोगों ने पापों तै बचा ले। सारे लोग तथा अविश्वासी परमेश्वर कै सामणी अन्दे और मरे हुए के समान हैं, और इस संसार मा ईश्वर की आत्मा अर्थात शैतान का उन पर राज्य है, और इस संसार मा ईश्वर की आत्मा अर्थात शैतान का उन पर राज्य है। (इफिसियों 2:2) जद तक उनकी आत्मा की ऑखा उनकी इस खोयी हुई दशा के बारे मा किसी भी तरीके तै खोली ना जावा, जद तक वै सीधे नाश ओडी तेजी तै आगे बढदै रहॉगे। जो यो कहा कि, 'मन्नै तो जिन्दगी मा कोई पाप नी करा वो तो अपर्ण आप ने धोखा देवा, और ऊमा कोई सच्ची बात नी हैं। 'परमेश्वर का बेटा इस वास्ता इस दुनिया मा आया कि शैतान के कर्मो ने नाश कर सका।' (9 यूहन्ना 3:8)

'इस वास्ता तम परमेश्वर के अधीन हो जो, और तुम शैतान का सामणा करो, फिर थारे पास ते शैतान भाग निकलागा। तम परमेश्वर के धोरा आ जो, तो ही वह तुमारे लवा आवेगा, हे पापी लोगो, अपणे हाथो ने शुद्ध करो, हे गन्दे लोगों अपणे हिरद्यो ने पवित्र करा। दुःखी हो ओ और तम शोक करो, और रोओ, थारी खुशी शेक मा और थारा आनन्द उदासी मा बदल जा, और तम परमेश्वर का सामणे दीन वणो।' (याकूब 4:7–10)।

जब तम इस किताब ना पढ़ा इसकी तस्वीरों का ध्यान करो। फिर तम उस समय मा अपणै हिरद्य की सच्चाइयों ना देख सकेंगे। परमेश्वर की ढूढ़णे वाली ज्योति है अपणै हिरद्य की दशा ने इनकार ना करैगें। कि मारे अन्दर पाप नही है। क्योंकि परमेश्वर का वचन थारे है साफ–साफ बताया कि यदि तम कहा कि मारे अन्दर तो कोई पाप नी है त अपर्ण आप तै धोखा देवा और

Copyright Article

मारे अन्दर सत्य नी है अगर हम अपणै पापों ने मान हें तो परमेश्वर हमारे पापों ने क्षमा करणे वास्ता हर समय तैयार रहा, और मारे अधर्म सै शुद्ध करणै मा विश्वास योग्य और धर्मी हैं। (1:8,9)

'परमेश्वर का बेटा प्रभु यीशु मसीह हमने सारे पापों ते शुद्ध करा। आप लोगों के ऊपर शैतान का राज्य है, या परमेश्वर का राज्य है। या तो पाप के दास है। या फिर परमेश्वर के दास है। अगर थारै जीवन मा पाप का राज्य है त इस बात ने मानने मा इन्कार ना करा, लेकिन तम परमेश्वर की दोहाई दे। परमेश्वर तमने यीशु मसीह के द्वारा स्वतन्त्र करर्ण वास्ता तैयार रहा हर समय। क्योंकि यीशु मसीह इस दुनिया मा इस वास्ता आया, वह पापियों ने बचाणे वास्ता आया। प्रभु यीशु मसीह ही हमारा छुटकारा कर सका। तम पवित्र परमेश्वर के सामर्ण उपस्थित है। यीशु मसीह सबकी गुप्त बातों ने जाणा। और थारे सबकै छिपे सोच समझा भी है और जांचा भी है वो। या बात बिल्कुल असम्भव है कि तम यीशु मसीह का सामणै अपणै बातों ने छिपा नी सकदै, ' जिसने थारे कान दिये, तम यों बताओ क्या वो सुणदा नी है जिसने थारे ऑखा बणायी, क्या वो तमने नी देखदा। ?' यें सारीबाटां बाइबिल मा लिखी हुई है – (इतिहास 16:9,) अय्यूब के जीवन मा कुछ ऐसी बाता घटी, जो थारै अर मारे वास्ता जरूरी है। ये भी हमर्ण देखणी चाहिए। (अय्यूब 34 : 29: 22) ' (यूहन्ना 2:24, भ0स0 32:9,2 भ0 स0 59) ने भी पढ़ ले। (मति 11:28–30)

Copyright ANCP

तस्वीरों का समझणा

पहली तस्वीर

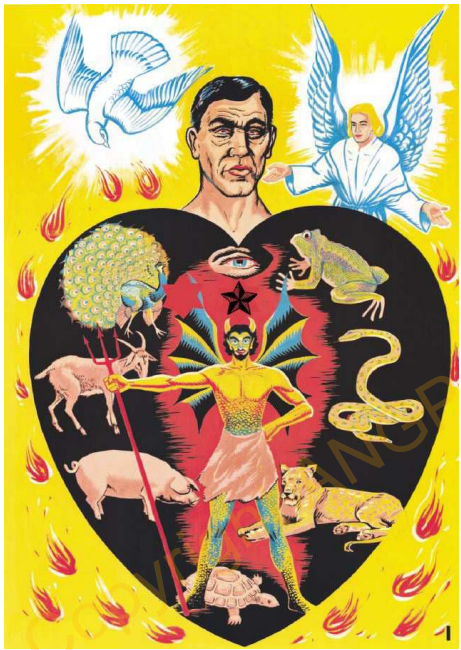

तस्वीर न0 1

पापी लोगों का हिरद्य

या तस्वीर सांसारिक लोगों का नया जन्म रहित औरत और आदमी के हिरद्य की बात ने प्रकट करा। जिस तरह बाइबिल नामक धर्म पुस्तक मा पापी लोगों के रूप के बारे मा वर्णन करावाया। और जिनके अन्दर संसार की आत्मा है, शरीर के कामनाओं, इच्छाओं की अधिकता रहा। हिरद्य की या सच्ची तस्वीर है जिस तरह परमश्वर उसने दखा। इस तस्वीर मा झूमती लाल आंखा मारी इच्छाओं ने बतावा। इसके बारे मा धर्मशास्त्र की किताब मा, एक पाठ है (नीतिवचन 23:29–33) मा लिख्या गया। 'कौण, कहॉ हाय ? कौण झगडै रगडै मा फंसा ? कौण बकबक की बातैं करा ? जिसके कारण मारे अन्दर गौव लगजा। जिसकी आंखा लाल हों उनकी आंखा लाल होंवा, जौण

से लोग बहुत देर तक दारू पीवा बैठ का। मसाला मिली दारू पीवा। और इनकी आदत है यें मसाला मिली दारू ढूढ़दा फिरा। जद इनै लाल दारू मिल जा फिर ये गिलास मा उनका सुन्दर रंग देखां। फिर ये उनै दारू लगा के थेडी सी धारा वणाकर नीचा गेरा। तब तम उनै ना देखणा। क्योंकि अन्ता मा वा तुमने सॉप की तरह डस लेगी। फिर तै उल्टी सीधी चीजै देखेगा। इसके बाद तै उल्टी–सीधी बातैं भी करेगा। इस तस्वीर मा आदमी कै सिर के नीचा एक हिरद्य देख रहां ध्यान तै देख। इसकै इन्दर कई प्रकार के जव जन्तुओं का तस्वीरा देख रहा। यैं तस्वीरा आदमी कै आरमा की अलग–अलग पापों नै जो बाटा सारे अन्दर है बतावा। क्योंकि हिरद्य पापों का रैणे का स्थान है, अर बैठने का स्थान भी है। परमेश्वर र्निमदाह नवी के द्वारा यों बतावा, कि 'मारा मन सब है। ज्यादा धोखा देणे वाला है, मारा मन असध्य रोग लगे है, उसका भेद कोई नी जाण सकता' प्रभु यीशु मसीह इस बात की खुद पुष्टि करा। ' आदमी कै अन्दर बुरी–बुरी मन मा चिन्ता, व्यक्ति चार, चोरी, हल्प, दूसरी औरतों का लोभ, दुष्ट बातों का छल, लुच पन, बुरी नजर, निन्दा घमण्ड और मूर्खता मारे मन माहे ये सब बाते निकला, और ये आदमी के हिरद्यने अशुद्ध करा।' (मरकुस 10:29–23)

1. **मोर पक्षी**–: एक तरफ है सारे लोग मोर की बहुत बढ़ाई करा। परन्तु अगर हम इने आदमी कै हिरद्य मा देखा तो यो जो है यो घमण्ड अर अहंकार अर पाप ने प्रकट करा। लूसिफर जो था तड़के मा चमकणे वाला तारा था। आशीष पाया हुआ स्वर्गदूत था। जो घमण्ड के कारण परमेश्वर ते दूर हो गया। परमेश्वर की आंखो तै गिर गया। ठीक इसी तरह परमेश्वर का शत्रु तथा शैतान बण गया। (यशा माह 14:9–96 यहेजकेलज 28:12:16) घमण्ड नरक के अन्दर से आवा, और कई तरीके तै अपणै आपणै फटकारां कुछ लोग तो जिन पर ज्यादा धन है, सम्पत्ति है, वे लोग बहुत घमण्ड करा, कुछ लोग जो ज्यादा पढ़े लिखै है। कुछ अपणै कपड़ा पर थकण करा, कुछ लोग बहुत घमण्ड करा, जिसमा उनका शरीर इज्जत की सीमा न छोड़कर पार हो जा, अपर्ण आप णै ऐसा करदै कि सब कुछ खुला दीखा, कुछ औरता अपणै झनझनाते गैणे, चूडिया या अंगूठियॉ पर घमण्ड करा इसके बारे मा यशायाह 3: 17–24 मॉ ठीक ही कहा गया। कुछ आदमी बुजर्गो की जो बाते उनकी ली है बंधी हुई उनी बतों मा उनी खेलो मा, उनी तमशो मा, जिस तरह हमारे

Copyright ANGB

बुजुर्ग करतै आये उनी पर घमण्ड करा। वै आदमी या भूल जा कि परमेश्वर घमण्डी लोगो का सामणा करा, और भोले लोगो पर दया करा (व पत0 5:5) परमेश्वर घमण्ड करणै वाले, गुस्सा करणै वाले, बुरी चाल चलणै वाले, उलट फेर बातै बणाणे वाले लागो तै घृणा करा। (नीति वचन 8:13)। नाश होणे तै पैलो घमण्ड अर ठोकर खाणै ते पैला घमण्ड आवा। (नीति वचन 16:18)

2. बकरा :– सडाहट, गंदा लम्पट, बुरी वासना वाला पशु है। आदमी की शारीरिक वासना, मौजमस्ती, मनमर्जी करणैवाला, व्यभिचार कर करमौ वाला, और परस्त्रीगमन जैसे पापों नै बतावा । सब पाप आजकल की दुनिया मा या इस युग मा अन्तिम दिनौ मा इतनै बढ़ गये कि हम प्रभु यीशु मसीह दो हजार साल पैलो कही बाता पूरी हो रही है। यो हमनै मानना पडैगा। इस दुनिया मा अन्तिम दिन सदोम और अमोरा के दिन कै समान होगें। इस आधुनिक युग की आत्मा ने ना केवल आदमियों और औरतो तै भी पकड़ रख्या, धार्मिक लोगौ तै, अर अधार्मिक लोगों तै, संस्थाओ तै, स्कूल व कालेजों तै, विश्वविद्यालय और विद्यार्थियो, रहणै का स्थानौ मा घुस आया है। यो तो बिगाडने वाला नाश करणै वाला जीव वेशम और शैतान की चालाकी और इंगा उंगा घूमदा होया आदमियों के हिरद्यो मा सनेमा, जासूसी, नाटको, और उपन्यासों और वासनायुक्त बहुत सारी किताबों और पोस्टरो तथा अन्य कई दूसरी चीजो के जरिये लोगो के हिरद्य मा स्थान वणा लो और जिस तै परमेश्वर के वचन मा पाप मानेजा, वही इस दुनिया के युग का राजनीतिक, फैशन इन चीजों ने मानने लगा। 8 लाखों आदमी इस औरता अपणै जीवन का मुख्य अंग सनेमा देखणे मा, और उपन्यासो बुरी–बुरी किताबों का निर्माण कर लै फिर उने आगे चल का जीवन मा दुख, शर्म, शोक और निराशा ये सारी चीजा का सामणा करणा पड़ा आज के युग के लोग तथा उच्च कल जीवन व्यतीत करने वाले सिनेमा पात्र खिलाड़ी और बच्चे आधुनिक बड़े–बडे बहादुर और बहादुरनियां आज के युग में बण जाते है। नाचघर, अनै टिकटा और बुरे–बुरे कार्मो का उत्पादन स्थान बण जाता । जिस तरह बाइबल मा लिख्यो होया है कि युसुफ जैसे आदमी की परमेश्वर पवित्रता के बारे मा इज्जत वाले पास नही गिणे जन्दो जिस तरह युसुफ परमेश्वर की मिलो वफादार था इस तरह के लोग हमने इस युग मा देखणे वास्ता नही मिल दे। यहॉ तक कि अफ्रीका देश मा अपढ़ पुरातन जूलू जाति भी जो बुरे काम करणै वाले लोगो को मार डालती

Copyright AMCB

थी, या बात इस युग की पीढ़ी नै हम सभ्य सिखै सकां। और न्याय के दिन मा उनके विरूद्ध खड़े होका उन्हे हम दोषी ठहरा सका। परमेश्वर यों कहा, ' कि हम गन्दे कामो ना खेलना समझा और उनतै दूर भागा गलत कामौ तै बचे रहो। जितने पाप लोग करा वो मारे शरीर ते बाहर है जौण से लोग व्यभिचार करा थै लोग अपणी देह के विरूद्ध पाप करां। क्या तम नही जाण्द, कि थारी देह पवित्र आत्मा का मन्दिर है यो तमने भगवान की ओर तै मिलै, और तम अपणै नही हो क्योकि थारा दाम चुका दिया गया इस वास्ता तम अपणी देह के द्वारा परमेश्वर की महिमा करो , (1 कुर 9:19:20) (1 कुर0 3:17)। इसमा तम यो देख सथा कि तुम क्या चीज हो।

3. सुअर :— जिस तरह सुअर गन्दगी के बारे में बतावा, पेटूपन के बारे मे बतावा, पापौ के बारे मे बतावा हैं यो एक गन्दा पशु है। यो अपणै रास्ते में आणे वाली चीजों ने निगल जा। चाहे वो शुद्ध हो या अशुद्ध हो। इसी प्रकार पापमय हिरदय वाला आदमी बुरी चीजों ने अच्दी या बुरी बातों ने अपर्ण अन्दर तस्वीर की तरह बैठा ले। या जैसे कि गन्दी किताबां आदि को निगल जाता है। मारा शरीर जीवित परमेश्वर का मन्दिर है। अशुद्ध भोजन शराब पीना अशुद्ध आदता जैसे कि बीड़ी सिगरेट पीना, पान व तम्बाकू खाना अफीम तथा अन्य दूसरे हानिकारक दवाइयों का खाणा, मारा शरीर बिगड जा तम्बाकू पीने और अफीम खाने की आदत ने आदमी और औरतों को आ़ज ऐसा पकड़ रखा जेसे बहुत पैले कभी नही पकड़ा था।

सिर्फ़ परमेश्वर की आत्मा ही मारे ते पकड़ सकदा। जो ऐसे तम्बाकू के शिकार और शैतानिक आदतों के शिकर है, उनसे छुटकारा यीशु मसीह के अलावा कोई और नही दे सकदा। बहुत लोग धार्मिक विचार रखणे वाले लोग गिरजाघरो का व अन्य धार्मिक स्थानो मा तम्बाकू या शराब पीकर चले जा, क्योकि व यों सोचां कि ऐसा करने ते परमेश्वर का धार्मिक स्थान ते अपवित्र नही कर दें, तो भी अन्य स्थानों मा वो लोग सड़े पेडे की तरह है। जैसे तम्बाकू और नशीली चीजा खाया का अपणै शरीर ने जो परमेश्वर का सत्य मन्दिर है अशुद्ध करने मा संकोच नहीं कर दे उनकी आत्मा सुखी भी नी हूंदी। पवित्र बाइबिल मा परमेश्वर का दास प्रेरित पौलुस यों लिखा 'क्या तुम नही जानेते, कि थारा हिरदय परमेश्वर का मन्दिर है और परमेश्वर थारी आत्मा मस वास

Copyright AIOP

करा। अगर तम परमेश्वर कै मन्दिर मे नाश करोगे तो परमेश्वर तुमने नाश करेगा क्योंकि परमेश्वर का मन्दिर पवित्र है। और वही तम है।' (1 कुर0 3: 16,1 6, 18,19)

पेटू आदमी भी परमेश्वर की निगाहमा घृणित है। हम जीणै वास्ता खावा। इस वास्ता नी जीन्दे कि खावै, भूख सन्तुलित भोजन करणै दा तृप्ति हो जा। परन्तु शरीर की इच्छा सदा मारहे पुकार, दे !दे! शरीर की अभिलाषा कभी भी पूरी नी होन्दी। न कभी तृप्ति होवा। पुराणे नियम के अनुसार पूटू और पियक्कड ते लोग पत्थर मारका मारणै की आज्ञा दी जा ती (व्य0 21:19:21)।

क्योंकि पियक्कड अर खाऊ अपणा भाव खावां। और शराब पीणै बडा एक दिन ऐसी नौबत मा आव कि उन्नै चिघडै पहनने पड़ा। उडाऊ गलत बेटा अपणै बाप का मुहॅ काला करा (नीति 23: 21/28:9) उस धनवान आदमी को ध्यान मा रखैरै, जो पेटु खाऊ और अपणै शरीर की अभिलाषाऔ का दास है। जदौ वो मर गया, जद उसने नीक मा पडै हुए अपणै को वर्णन से बाहर पीड़ा मा पडा हुआ पाया। नशीली चीजों का सेवन करने तै बुराइयां हमारे जीवन मा आवा। अनते बताणा कि शायद ही आवश्यकता है। सभी जाणा कि हम हटकी बात नी समझि सकदी। परमेश्वर ऊपणा वचन मा साफ–साफ बतावा, कि कोई भी शराब पीणा वाला परमेश्वर का राज्य का अधिकारी नी होई सकता। शराब भोजन नही है। यो तो विनाशकारी नशीली वस्तु हैं या शरीर अरमन ने भ्रष्ट करा। ताकि उसते पीणा वला मूर्खता के काम करा। वे अपणै आपे बाहर हो जा। ताकि उसका सेवन करणै वले मूर्खता के काम करा। वे अपणे आप से इतना बाहर हो जा कि दूसरौ ने जान से भी मार से जद लोग शराब नही पीन्दे, जद कोई गलत काम नी करदे। दासमधु ठट्ठा करने वाला और मदिरा अल्ला म चाणे वाला जो कोई उसके कारण ठोकर खावा बुद्विमानी नही है। (नीति 20: 1)

वह जो लोग शराब बनाते है और बेचा, और परमेश्वर कै समणे उतने घृणित है या अपराधी है, जितने कि शराब पीणे वाले। क्योंकि परमेश्वर यौ कहा, 'हाय उन लोगौ पर जो दाखमधु बणाणे मा वीर है या तेज है या बहादुर है, और हाय उन पर जो दाखमधु पीणे वाले है।' (यशायाह 5:22) ।

Copyright ANCP

हाय उस पर जो अपणे पडौसी ने शराब पिलावा, और उसमा विष मिलायाकर उसते और भी मतवाडा कर दे। ताकि उस तै वो नंगा देख सका। (हवक्कूक 2:15)

उनकी नेत्रवारो मा बीणा, सांरगी, डफ, बांसुरी और दाखमधु महरूब पाया जावा। ये लोग महोवा के कर्मो बदी ध्यान नी दी दे। और न उसके हाथो का कामों के बदि ध्यान दी दे। (यशायाह 5:12) क्या तम नही जाणइदे कि अन्यायी लोग परमेश्वर के राज्य के वारिस नही होगे ? देखान खाओ न वेश्यागामी, न मूर्तिपूजक, न परायी स्त्री गायी, न लुच्चे, न पूरूषगामी, न चोर, न लोभी, न पियक्कड़, न गाली देणे वाले, न अन्धकार करणे वालो। यै सारे लोग परमेश्वर का राज्य का अधिकारी नी हो सकदे। (1 कुर0 6:9,10)। सांसारिक लोगौ की पापौ तैं पछाने मा गलती की होन्दी। क्यौकि सारे शरीर के काम तो प्रकट होा। और कमिचार गन्दे काम, लुचपन, मूर्तिपूजा, टोना, बैर, झगड़ा, ईष्या, द्वेष, क्रोध, विरोध, फूट, विधर्म, दाह, मतवालापन,लीलाकौडा और इनके ऐसे और भी काम हैं वे जो इन बातौ के अपराधी है किसी तरीके से परमेश्वर के राज्य के वारिस नी हो सकदे। न उसमे जगह पा सकदै। (गह0 5: 19–21)

इस वास्ता दारबरस से मलवाला न वणे। इन बातों तै लुचपन पैदा होवा। अर तम परमेश्वर की आत्मा मा बढ़तै जा। (इफि0 5:18) प्रभु यीशु आज भी प्यासे लोगौ ने बुलावा। अगर तम प्यासे हो मेरे पास आकर पियो, जो मेरे ऊपर विश्वास करागा, जैसा पवित्र शास्त्र मा आया है उसके हृदयमा ते जीवन कै जल की नदियां बह निकलेगी। (यशा 55:1)

यीशु ने कहा, 'जो भी कोई आदमी इस पाणी मे ते या इस जीवन की धारा में ते पीवेगा जो मैं उसे दूँगा, वह अनन्त काल तक भी प्यासा नाहोगा। मै जो पाणी उन्हें दूँगा वो धारा उसके जीवन मा ते या उसकी जिन्दगी मे ते एक सोता बण के निकलेगी। या धारा जीवन के अन्दर दी उमड़दी रहेगी।' (यूहन्ना 4:14)।

Copyright ANGT

4. कछुआ :— यो आलस्यपन टाल मटोल करणै वाला और जादू टोन्हा के बारे मे बतावा। बाइबिल धर्म शास्त्रकारी किताब मा हम यौ पढ़ा कि आलसी आदमी अपणी लालसा मा ही मर जावा। क्योकि उसके हाथ काम करणै ते इन्कार करा। (नीति 21:25)। अविश्वासी लोग टोन्हेपन के पाप के तुल्य है। यहोश्तै इस्राइल जाति है यौ कैणा पड़ा कि तम इस देश ने अपणे बसमा कर लो। तम इक देश ना अपणै बस मा करणै मा आलस ना करो। आदमी स्वभाव मा इतना आलसी है कि वह परमेश्वर की चीजौ तै इतना आसान तरीके तै भी पै नी सकदा। प्रभु यीशु मसीह यौ कहा, ' सकेट द्वार तै प्रवेश करणा का यत्न करो, (लूका 13:24) जो ढूढ़ा वो पावा, स्वर्ग के राज्य परा जोर होन्दा रहा पर तकडे लोग उसने छीन ले जा।

अगर आदमी उद्धार पाणे वास्ता भी, आत्मा का उद्धार पाणे वास्ता आलसी बणे रहा तो सचमुचा मा वो आदमी नाश हो जावेगा। आलस तै प्रार्थना करणे तै रोका। परमेश्र का बारे मा गहरी बाते करणे तै रोका परमेश्वर की आशीषमय जोण सी प्रतिज्ञा मारे ते धारण करणै वास्ता कही गयी या मारे जीवन मा लागू करणै वास्ते कही गयी, रोका। इन बातो तै सर्वनाश होवा। जद परमेश्वर की आत्मा थारे मिले। बाता करा, तो इस बात का मतलब है प्रभु यीशु ते तम अपणे दिल ने आज ही अपर्ण कर दो। तब शैतान थरै उपर आलस्य उत्पन्न करा और यौ कहा चल यार छोड़ आज नी कल करेगे। दूसरे दिन करणै वास्ता कहा। हाय उस आदमी पर, शायद जीवन मा वह दिन कभी न आवे, और वो आदमी कभी भी उद्धार का अनुभव नी पा सकदा और वह यीशु मसीह के बिना ही मर जावेगा परमेश्वर अपणै वचन मा यौ कहा, 'आज यदि तम उसका शबद सुणो तो अपणे मन ने तम कठोरा ना करो' । (इब्रा 3:9:8) कितने लोग इसलिए नाश हो गये । इन लोगौ ने अपण की मती समय उद्धार का अवसर किसी और के आणे तक टाल कै रखा। और यौ टैम उनहै दुबारा नी मिला। भविष्य का या काल का दिन सभी लोगौ वास्ता कोई भी दिन नी रखा गया।

कछुये की ऊपरी खतौली बहुत सखत होवा। या ऊपर की खोपड़ी टोन्हे—टोटके मा, जादूगरी के कामौ मा लेवा लोग इनै। यो हमने टोन्हा, जादू, भंवराये हुए भूत सिद्ध करणे पर विश्वास करणे वास्ता बतावा। यों काम करणै

Copyright ANCP

वाले पाप का काम करा। और जीवित परमेश्वर पर भरोसा रखणे वाले सदा आनन्दित रहॅ। विशेषकर खासबात परीक्षा, ज़ॉच, दु:ख,बीमारी, विलाप और शोक के टैम हमने लीवित परमेश्वर की बडाई करनी चाहिए और इन पापो तै छुटकारा पाणे वास्ता उस पर भरोसा रखणा चाहिए। हम यौ ना सोचा, मारे अच्छे काम, या बुरे काम इन पा हमने बिलकुल भी भरोसा नी करणा चाहिए। क्योंकि तम एक बाह जाणा कि जीवित परमेश्वर सदा थारी सहायता करणा वास्ता तैयार राहा। (भ0 रू0 75:6,7)

याकूब अपनी पत्नी मा यों कहा, 'अगर थारै मा कोई बीमार है तो कलीसिया के भक्तौ ने, या प्राचीनों ने बुलाया का और वे आया का प्रभु के नाम तै उस पा तेल मलकर उसके वास्ता प्रार्थना करैगें। और विश्वास की प्रार्थना के द्वारा बीमार आदमी ठीक हो जावेगा। और प्रभु यीशु उस तै ठाकै खड़ा करैगा। और यदि बीमार आदमी नै कभी पाप भी करा हो तो वो भी उनकी भी क्षमा हो जायेगी। इस वास्ता तम अपास मा एक दूसरे के आगा अपणै–अपणै पापो नै मान लो। और एक दूसरै के वास्ता प्रार्थना करो। जिस तै तम ठीक हो जा, धर्मी जन विश्वासी आदमी की प्रार्थना के प्रभाव तै बहुत कुछ हो सका।' (याकूब 5:14:16)

परमेश्वर ने इस्रालियो तै यह आज्ञा दी कि तम माते कोई भी ऐसा न हो जो अपणे बेटे या बेटी तै आग मा होमलि कर का चढ़ाने वाला, वह भावी करणे वाला, होन्दा व तांत्रिक व बाजीगर व ओझो से पूछणेवाला, भूत साधने वाला, भूतों का जगाने वाला न हो, क्योकि जितने लोग ऐसा काम करा वे सब लोग महोवा के सामणी घृणित है।(व्य0 18:10:12) पर कुत्ते और टोन्हे ओर व्यभिचारी और हत्यारे मूर्तिपूजक और हर एक बोलने वाला या झूठ की इच्छा रखने वाला गलत बातें बताने वाला बाहर रहागा। (प्रका0 22:15)

'तुम तांत्रिक ,भूत सिद्ध करने वालो की ओर ना भागना और ऐसो की खोज भी ना करना, क्योंकि अगर तम खोज करोगें तो अशुद्ध और नाश हो जाओगे। ' मै धारा परमेश्वर यहोवा हूॅ, (लैव्य0 19:31) जब लोग थारे ते कहॅ कि तांत्रिक और पंडितो और भूत उतारने वालो के पास जा के पूछो। और जो गुण गान्दे और मुस मुसाते है तब तम यौ कहना कि क्या लोगौ ने परमेश्वर

Copyright ANGP

के पास जाके नी पूछणा चाहिए ? क्या जीवित लोगौ वास्ता मुर्दो तै पूछाणा चाहिए ? और चितौनी की बातें करा करो। यदि वे लोग इन वातौ के अनुसार न बोला तो या तो बात सच है कि उनके वास्ता सवेरा ना होगी (युशायाह 8: 19:20)।

जबकि तम इस छोटी किताब ने पढ़ रहे है। परमेश्वर थारे गेह बोल रहा, और थारे तै बुला रहा, कि तम अपणे पापौ तै पश्चाताप कर कै अपणै जिन्दगी नै उसके सामणी समप्रण कर दें, परन्तु कछुवे की आत्मा जो ह्रदय मा है, 'थारे ह्रदय मा कई प्रकार की बाता लेवा है कि परमेश्वर के प्रति तम अपनै निर्णन ने टाल दे जावो। इस तरीके तै थारे ह्रदय मा शैतान थारे मन मा डर भर दें। तम यौ सोचो लगां कि मेरे दोस्त मेरे घर बड़े लोग तथा मेरे गॉव के लोग और संसार के लोग क्या कहॉगे। अगर मन्ने यीशु मसीह तै अपणे जीवन मा सच्चा मसीह करकै ग्रहण कर लिया। क्या होगा यदि मै नाच,रंग, खाने,पीने व शराब की पार्टिया, और संसारिक मनोरंजनो मे भविष्य ना भाग ना लूँ? तम यीशु मसीह के उन गहरी बातो ने धनों को देखणे के बदले उसके आश्चर्य कर्म शान्ति अकथनीय आनन्द उसकी महिमा अनन्त जीवन सुख आदि को देखने के बदले मा बातौ की ओर देखणे लगा जिन्है तम यीशु को ह्रदय मा आने देने के बाद खोणा और छोडन पडेगा। जबकि आदमियों का डर और मृत्यु का भय थारै तै हर टैम रीटान क़ा बन्धन मा जकड कै रखणा चाहान प्रभु यीशु रवीष्ट इस संसार मा इस वास्ता आया कि जितने मृत्यु के भय के मारे जीवन भर गुलामी मा फंसे वो उने छुडाने वास्ता आया। (इब्रानियो 2: 15) परन्तु टलने और संदेह की आत्मा थारे ह्रदय ते ऐसा करडा कर रख्यां , और कठोर कर रख्यां, जद तक कि थारा ह्रदय कछुवे की ऊपरी सतह की तरह कड़ा हुवे न कठोर हो जावे।

5. चीता :–एक बहुत भयानक होवा और खतरनाक जानवर हैं । घृणा, क्रोध ा और एक बुरा माने वैला होवा। बहुत लोगों के दिल पर राज्य करायो हर टैम खून करणें कि सोचदा राह । यो तो यहॉ तक आदमी का ह्रदय मॉ काम करा कि जद तक आदमी अपने पूरे गुस्से मा ना आ जा, जद का आदमी का पिछा छोड़ दा नी। अच्छा तो यही होगा थारे वासता कि तम अपणे गुस्से ने मान ले ओर तम प्रभु यीशु के सामनी प्रार्थना करो, ताकि वो थारे ते छुटकारा

दे सकां और इस पा जाय पा सकोगे। परमेश्वर के वचन मा यौ लिखा होया कि–'कि थारी आंखां मां गुस्सा नही होणा चाहिए।' (उत्पत्ति 45:5) 'गुस्सा ते दूर रहे और ते कुछणो या ज्यादा गुस्सा करना भी छोड दे ते ना कुढ़, इसते तो बुरी बाता आई आवा।' (भ0 स0 37:8) 'गुस्सा तो कूर और प्रकोप धारा के तरो होवा, जद कोई जल उठा है। तो फेरे उसके समणी ठहर नी सकदा है।' (नीति वचन 27 : 4) 'ते अपसो मन मां जल्दी ते गुस्सा ना लयकरा, क्योंकि ते नहीं जाणदा कि गुस्सा मूर्खो ही के हृदय मा आवा। इस वासता ते अपणे मन मां ते गुस्से ने कढ़ दे। तो ते अपणे शरीर मॉ ते दुःख दूर कर ।' (नीति वचन 7: 6, 11, 10)

"इब तम इन सब ने छोड़ दो, क्रोध, रोष, बैर भाव, निंदा और मुॅह तै गालियां देणी छोड़ दो।" (कुलस्सियो 3 :8)

कई लोग अपणैं गुस्से ने अग्गाचा लायक बदला लेणे की भावना ते ठण्डा कर दे है। परन्तु उनके दाखमधु सॉपो का सा विष और को नागों का विष मदिरा ठहरा, (व्यवस्थाविवरण 32 : 33)

Copyright ANGR

गुस्सें में आपका पापी हृदय ते बदला लेणे का विचार अच्छा लगा, परन्तु ऐसे लोगौ ते परमेश्वर ही बदला लेगा अर छुटकारा देगा। प्रभु यीशु नो कहा, ' कि अपणे पडौसी तै अपणे समान प्यार कर और तै। अपणे दुश्मन ते भी प्यार रखा ' परमेश्वर ने मारे पापों ते माफ करणे की प्रतिज्ञा भी दी है। जद हम उन तै माफ करा जो मारे विरोधी है। अर जो मारे ऊपर अपराध करा। गुस्सा एकदम और बकबक करणे वाली आत्मा ते भी परमेश्वर घृण करा। खून करणा और युद्ध करणे की बुरी इच्छा आदमी के हृदय ते उठा है। इसलिए यदि आदमी अपणे जाति ते बहुत देर तक चलाणा चाहा है तो सच्ची शान्ति भी आदमी के हृदय में हर टैम होणी जरूरी है।

6. सॉप :– शैतान ने सॉप का रूप अपणा कर अदन के बाग मा हवा ते ठग्या। और परमेश्वर के साथ मा और हवा के मधुर सम्बन्ध या गहरी दोस्ती तै बिगाड दिया। शैतान जो गिरा हुआ स्वर्गदूत है, आदम और हवा के प्रति ईर्ष्या और जलन और गुस्सा की भावना ते मरा होवा था। 'जद उसने देख्या

कि यै तो संसार के ऊपर प्रमुता करेगें और परमेश्वर के साथ इनका पूर्ण पवित्र व आत्मिक रिश्ता है। शैतान ने लूसीफर का जो तड़के के चमकने वाले तारे की तरह दूत था। उसकी जगह ले ली। और गुस्से ते भर का उसने आदम और हवा ते नाश करणे की चाल तैयार करी। और परमेश्वर के साथ उनके अद्भुत संगति, सहभागिता और अनन्त जिन्दगी ते नाश करणे मा सफल हो या। वो शैतानिक जहस और गुस्सा आदमी जाति के हृदय मॉ आज भी पायी जावा और कुछ लोग इस बात की ताक मा रहा कि मैं कैसे दूसरो की खुशी (खुश) तथा अराम का जीवन तै नष्ट कर दूं (श्रेष्ठगीत 8 : 6) मैं पढ़ा कि गुस्सा कबर कै तरह निर्धारित है। 'गुस्सा मनुष्य कै हृदय का दूसरौ ते खुशी आनन्द ते नाश करणे के विचारौ तो लेवा और खून बहाने के वास्ता हर टैम तैयार रहा। ये विशेष घटना शादी शुदा जिन्दगी मा अक्षर आवा। और व्यापार जीवन के दूसरे काम क्षेत्र मा बहुत ज्यादा आवा। दुःख और गन्दगी ते जन्म देवा। यहॉ तक कि मसीह काम करणे वाले प्रचारक या पादरी धार्मिक काम करणे वाले अगवे और सेवक गुस्से ते बच नही सकदे। जद वे देखॉ कि परमेश्वर दूसरे लोगौ तै उनते ज्यादा उपयोग करा है। उनके वास्ता भलाई इसी मा है कि वह इन बातौ की हर टैम चौकसी रखां। और गुस्सा तथा जलन के पापों तैं अपणे आप ने बचा का रखा। और वे परमेश्वर के पवित्र प्रेम तै मर जा जोकि पवित्र आत्मा मारे हृदय मा वास करा। कही ऐसा न हो कहीं उनकी परमेश्वर के काम के वास्ता उपयोगिता इस शैतान की आत्मा तै आणे तै बिगड़ जावा।

7. मेंडक :– मिट्टी चाटता है। यो लालचपन और रूपये के लोभ कै पाप तै भी बतावा, वो सारी बुराइयों की जड़ है। (1 तीमु0 6: 90) कांगों देश मा कुछ ऐसे भी मैडक मिलां है जो कीडियो तै यहॉ तक कि खाडू लै, कि उनका पेट फटगा। और वह मर जा। लोभी भी, अर लालची आदमी निर्धनौ और बेसहाराऔ की मदद करणे के वास्ता तैयार नी होन्दे। ' और ना वह अपणा दिल खोल का हाथ बडाथका दान देणे की इच्छा भी रखदे नी है, परन्तु वे हर समय धोखेबाजी तै सब चीजौ ना यौ सोचा कि हम लेले, हमारा भला हो जा। इस संसार के धन दौलत ते जमा करणे बढाणे का हर टैम कोशिश मा लगे रहा और यो भूल जा कि अन्त मां इन्है कीडे और काई की गिलों नष्ट होंगे। प्रभु यीशु ने खुद कहा, ' अपणे वास्ता इस पृथ्वी पर तम धन कट्ठा

Copyright ANCP

ना करो। जहॉ कीड़ा और काई बिगाड देते है और यहां चोर काड ले जा परन्तु अपणे वास्ता स्वर्ग मा तम धन कट्ठा करो ,जहॉ ना तो कीड़ा लगा, अर ना बिगड़ा, अर ना चोर चोरी कर सकां। क्योकि जहॉ थारा मन है वहॉ थारा मन भी लगा रहागा। (मति 6: 19: 29) आकान अपने घर वाडौ समेत इस वास्ता नाश हो या क्योकि उसने अपण मन सोना, चॉदी बहुमूल्य पत्थर और कीमती वस्त्रों के ऊपर लगा रखा था। (यहाशूह)

यहूदा इसकिरियोती, जो यीशु के चेलो मा ते एक था अपणे आप ते फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली इन्मै। क्योंकि धन के लोभ मा आयका उसने अपने प्रभु अर अपणे गुरू ते पकड़वाणे वाला बण्या। धन अपणे मा बुरा नहीं है, परन्तु धन का लोभ जो आदमी ह्वदय मा छुपाया का रखां है वो बुराई की जड़ है। और इसके बस मा आयका आदमी बहुत गलत काम कर बैठा।

सभी वर्गो, सभी गॉवो या जातियौ के लोग हजारों लोगों अर औरतौ अपने बुजर्गो की जिन्दगियौ ते नाश कर रहे है। क्योकि बुरी इच्छा की तागत ते वें जुआ खेलने मा छोड की दौडो मा या कुत्तो का खेल दिखान्दे होणी या अचानक तै बहुत ज्यादा धन मा प्राप्ति करणी चाहा। कि हम लोग एकदम धनी बण जा, बिना पसीनाबहाये, अर बिना परिश्रम करे एकदम धनी बण जा, की इच्छा रखा। चोरी, हत्या एवं आत्महत्या करणे वास्ता विवश कर दे। धन के लोभी अनेकों बहुत लोग मारे साथी बण जा। जैसे तांत्रिक विद्या सिद्ध करणे वाले, या अधिकार चलाने वाले, या फिर राजनीतिक अधिकारी, यै लोग शक्ति तै दूसरौ पर शासन करणा चाहा। निर्धनौ तै दबाणा चाहा और पिसे या धार्मिक शकित को जिसके द्वारा परमेश्वर की सेवा करने की बजाय मण्डली के नाम तै अपनी संस्था की सेवा मा उत्साह (खुशी) दिखावा। और उन सन्तौ ते नीचा दिखाणे वास्ता अपरा घी ठहरावा। जो उनकी संस्था मा मिलकर रहा, ना, होर मसीह के पीछे चलने की हिम्मत दिखावा है। (मरकुस 9: 38) प्रभु यीशु ने की चौकस रहो और हर तरीके के लोग तै अपणे आपने बचाकर रखो, क्योंकि किसी की जिन्दगी उसकी धन दौलत की बहुतायत से नही होन्दा।'

(लूथा 12: 15) एक धनी मूर्ख की कहानी इस ढ़ग तै बतायी गयी किसी धनवान आदमी की भूमि मा बहुत अन्न होया। तब वह अपणे मन मा यौ सोचण

Copyright ANCP

लगया कि मै क्या करूं क्योकि मेरे यहॉ जगौ नही जहॉ अपणी खेती इत्यादि रखूं और उसने कहा,' मै यौ करूंगा, मै अपणी मिट्टी के बर्तनो ने तोडकर उनसे भी बड़ी बनाऊगा, मै फिर मै वहॉ अपणा अन्न अर धन दौलत रखूंगा। और अपणे प्राण तै कहूँगा तेरे पास बहुत वर्षो वास्ता धन दौलत है। इब तै चैन कर, खा पी, अर सुख तैरै, परन्तु परमेश्वर ने उस तै कहा, हे पागल ! इसी रात तेरा जीवन या तेरा प्राण तेरे पाते ले लिया जायेगा। तब तै तन्ने जो कुछ कट्ठा करा होवा है वो किसका होगा ? ऐसा वो आदमी भी है जो अपने वास्ता तो धन कट्ठा करा परन्तु परमेश्वर की नजर मा धनी भी है।' (लूका 12 :16–29) 'यदि आदमी सारे जगत ते अपणा अधिकार मा कर ले अर अपणा प्राणते दुःख उठावा तो उसे क्या लाभ होगा या आदमी अपने प्राण के बदले मा क्या देगा ? (मरकुस 8 : 36: 37) यीशु ने फिर कहा, ' अपने प्राण और वस्त्र तै शरीर तै बढ का है, परन्तु परमेश्वर के राज्य की खोज मा रहो, तो ये तमने सारी वस्तुवा मिल जायेगी। अपने वास्ता स्वर्ग मा ऐसा धन कट्ठा करो जो न तो घट सकदौ और इसके अलावा चोर भी नी आन्दा और इने कीडा भी नी बिगाड सकदा, क्योंकि जहॉ थारा धन है वहॉ थारा मन भी लगा रहागाश' (लूक 12 : 22: 34)।

8. **शैतान** :– शैतान सब डरणै का पिता है और उनका भी जो झूठी बाता बनावा, वह अलग–अलगग प्रकार तै पाप कराणे के वास्ता उभारने वाले है। और लोगो के हृदयों मे राज करणे वाला है। यीशु यौ कहा,' तम अपणे पिता शैतान तै ही आ अपणे पिता की लालसाऔ या इच्छाऔ तै पूरा करणा चाहा। वो तो सुरू तै लैके इब तक हत्यारा है और सच्चाई पर स्थिर नी रैन्दा, क्योंकि सच्चाई उसमा है ही नही जब वह झूठ बोला तो अपणे इच्छा ते हीबोहा क्योकि वह झूठा है। और झूठो का पिता है। (यूहन्ना 8 : 44)

जो झूठा है, चाहे वह एक झूठ हो, चाहे वह बहुत झूठ हो, चाहे वह सफेद झूठ हो अथवा काला झूठ हो ऐसे भी झूठ होते है जो हर टैम बोलै, लिखे और किये जाते है। एक कपटी झूठा होता है परन्तु वह ऐसा ढ़ोग रचता है कि मानो वह झूठा है ही नहीं। 'परमेश्वर झूठ नी बोलदा, वैसे ही उसके लोग अर्थात मसीही भी झूठ नही बोल सकदे।' (तीतुस 1 : 2) 'अगर हम यौ कहा कि उसके साथ मारी संगति है और फिर अंधकार मा चले तो हम झूठे है

और सत्य पर नही चल दें'। (1 यूहन्ना 1 :6) 'पर कुत्ते, और टोन्हे और व्यभिचारी, हत्यारे मूर्तिपूजक और हर एक झूठ का मानने वाला और गढ़ने वाला बाहर रहागा।' (प्रका0 22 :15)

'छः चीजो तै यहोवा बैर रखा है। वरन सात है जिनते उसने घृणा है अर्थात घमण्ड तै, चढ़ी हुई आखो,झूठ बोलने वाली जीभ और निर्दोष का लहू बहाणे वाले हाथ, गलत सोचणे वाले, गलत बातौ बणाणे वाला गवाह और भाइयो के बीच मा झगडै तै जन्म देने वाला आदमी।' (नीति0 6 : 16: 19)।

9. तारा :– हर एक आदमी का हृदय के अन्दर विवेक यौ बोला है यहाॅ तस्वीर मा तारा अद्‌भुत और बुराई एवं मृत्यु की दशा ते बतावा। जाण बूझ का पाप करणे के ,ारा आदमी का आंखा ऐसी अन्धी हो जा कि अपणै किए हुए काम ने भी पहचाणदा नी है। यह बुरा विवेक कभी शान्त रहता है तो कभी चिन्ता मा दुःखी रहा वो पापी ठहरा है। जद कि उसै माफ करणा चाहिए और माफ करता है। जब उसे दोषी ठहराना चाहिए ऐसा विवेक शायद गरम लोहा ते दाग्या गया है और विश्वास से दूर होणे के कारण उसमें चिन्ता और शुद्धबुद्धि की भावना खो गयी । क्योंकि आप ने बहकाने वाली आत्माओ और शैतान के सुझावो की ओर ध्यान दिया और कठोरता ते झूठ बोल्या है। आत्मा साफ तरीके तै कहता है कि आणे वाले समयौ में कितने लोग भरमाने वाली आत्माओं और दुष्ट आत्माओ की शिक्षा पर मन लगाया का विश्वासते बहक जांगे। या उनके झूठे आदमियों के कपट के कारण होगा जिनका विवेक (विश्वास) मानो जलदे होवे लोहे ते दागा गया हो। (1 तीमु0 16 : 82) (इब्रानियो 10:22)।

10. ऑख :– परमेश्वर की आंखा आदमी के हृदय मा सभी बातों ते देखा है। उसकी आग ते धधकती हुई आंखो ते कुछ भी छिप्या नी है। इस वास्ता वो आदमी के हृदय मा पायी जाणे वाली सीाी गुप्त इच्छाओ ने और विचारो ने भली भांति जाणा अर देख्या हैं चाहे ये बुरे काम तम घोर अन्धकार मा किये हो या कणे जंगल का करे हो। चाहे तमने गहरे गड्डे मा करे हो। परमेश्वर की आंखा हर जगह दंखां अर भई उसते कुछ भी छिपा हुआ नही है। तस्वीर मा आंखा आदमी के स्वरूप के रूप में बारे मा बतावा।

Copyright AIGP

11. आग की तरह छोटी सी जीभें :– या परमेश्वर के प्यार ते प्रगट करा। यो पापी हृदय ते, चारो तरफ ते घेरे हुए है। जद कि परमेश्वर पाप ते घृणा करा है, तो वो आदमी ते प्यार भी करा है। और उसकी मौत ते प्रसन्न नी होदा। पर वह यों चाहा कि पापी आदमी अपणै पापों ते छुटकारा कर ले ओर जिन्दा रहा । प्रभु यीशु थे और रूपये पैसों की गिनती कर रहे थे उनकी चौकियौ ते उलट दिया। और कहा, ' लिख्या है मेरा घर प्रार्थना का घर होगा। परन्तु तू ने इस ते डाकुओ की खोह बणा दिया है।' (मति 21: 13) धारा हृदय इस वास्ता वणाया गया है कि तम परमेश्वर का पवित्र मन्दिर और घर बणे रहा। परमेश्वर उस मा रैणा चाहा है। उसे सुन्दर बणाणा चाहता है। वो उसने अपणी जोति, प्रेम तथा खुशी ते मरणा चाहता है। प्रभु यीशु ने केवल मारे पापो ते माफ करणे वास्ता इस दुनिया मा आया। परन्तु वो हमै पाप ते, या पाप के बन्धन ते, उसकी शक्ति तथा उसके राज्य ते छुटकारा देणा वास्ते आया। अर स्वतन्त्र करणे वास्ता भी आया।'अगर तम स्वतन्त्र होणा चाहो हो पुत्र यीशु मसीह तम ने स्वतन्त्र होणा चाहो हो पुत्र यीशु मसीह तमने स्वतन्त्र करागा, सचमुच मै थारे ते स्वतन्त्र करूंगा। (यूहन्ना 8: 36)

Copyright ANGP

दूसरी तस्वीर

या तस्वीर एक पश्चातापी हृदय के बारे मा बतावा जो परमेश्वर ते ढूढ़ना शुरू करा है। स्वर्गदूत एक तलवार पकडे हुए है। यो परमेश्वर का वचन है। 'परमेश्वर का वचन जीवित और प्रबल और एक या दोधारी तलवार से भी चोखा है। और जीवन और आत्मा को गॉठ–गॉठ और गूदे–गूदे ते अलग करका आर पार छेदता है। और मन की बातों और विचारो तै जांचता है।' इब्रा 4 :12 परमेश्वर का वचन उस ते याद दबाबा है कि 'पाप की मजदूरी मृत्यु है, और कि आदमी के वास्ता एक बार मरना और इसके बाद न्याय होना नियुक्त किया गया है। (इब्रा0 9 : 26) सारे पापियों का और अविश्वससियों का भाग आग की जेल मा होवागा। जो आग और गन्धक ते जलती है।

अपणे दूसरे हाथ मा स्वर्ग टूट कर खोपड़ी ते पकड़ रखा है। जो पापी लोगों ते याद दिलावा। यो मार ते सभी ते यो बतावा कि हमने सबने मरना

है। हम अपणै शरीर ने बहुत प्यार करा। हम अपणे शरीर ते सुन्दर करणै वास्ता सुन्दर कपडे पैरा। अर सुन्दर खावा अर सुन्दर बीबा और बिल्कुल ठीक ठाक रखणै की कोशिश करा है। बार–बार उसकी देखरेख करा और उसके ऊपर ध्यान भी देवा। ताकि वह शारीरिक वासना और उसकी मांगो की ओर भी बढ़ोत्तरी कर सका। परन्तु एक दिन यो मिट्टी ते बणा शरीर एक दिन मर कर मिट्टी मा मिल जावा। जद मारी आत्मा और जीवित आत्मा हमेशा के वास्ता जिन्दी रहागी अर एक दिन उसते परमेश्वर के सामणी न्याय के सिंहासन के सामणी खडा होना पडेगा।

दूसरी तस्वीर

पछताण वाला हिरद्य

हम यहॉ यो देखा कि पापी परमेश्वर के वचन पा या सन्देश पा ध्यान देणा शुरू कर रहा है। और परमेश्वर के प्रेम के प्रति अपणे इस दुनिया मा पापियों तै बचाणा वास्ता आया। एक पापी के मन फेरणे ते स्वर्ग मा बहुत आनन्द मनाया जा है। अर आग की सी छोटी जीभ यीशु के लहू के बारे मा बतावा है। 'यीशु परमेश्वर का मेमना है, जो दुनिया का पाप ठै ले जा है। ' (यूहन्ना 1 : 9)

2. स्वर्गदूत—: स्वर्गदूत परमेश्वर के वचन ने बतावा परमेश्वर चाहा है कि पाप के बोझ ते दबे हुए सारे लोगो और औरता ते बाता करै है जिस तै वह माफी मांगा का और परमेश्वर के प्यार तथा ज्योति ते अपणै हृदय माआण दै

3. कबूतर—: यो पवित्रता और सच्ची आत्मा को चिहन हैं यो पाप और ध ार्मिक बातो और परमेश्वर के बारे मा लो गौ है साफ—साफ बतावा है। पवित्र आत्मा यहॉ लोगो के हृदय के बाहर है। पवित्र आत्मा वहॉ नी रै सकदा जहॉ पाप का राज्या होवा है।

यदि हम तस्वीर मा दिए गये हृदय ते देखां या उसके बारे मा सोचां तम तो यो थारे ते हृदय की दशा के बारे मे बतावा। और उस ते मिलावा है तो तम परमेश्वर की दुहाई दें। प्रभु के सामणी तम अपणे हृदय नी खोल दो और उसके वचन की ज्योति ने अपणे हृदय मा चमकण दें। 'प्रभु यीशु मसीह पा विश्वास कर तो तै। अर तेरा घरान उद्धार पावेगा' (प्रेरितो के काम 16 :31) परमेश्वर चाहा भी है अर तैयार भी है। कि वो थारे अन्दर नया हृदय और नयी आत्मा देवे दूसरी तस्वीर मा इस बात पा ध्यान देंगे।

Copyright ANGP

तीसरी तस्वीर

यो तस्वीर एक सच्चे माफी मांगे आदमी के पाप के हृदय की दशा के बारे मा बतावा। इब वो बतेरे पापो ते घृणा करा है। जो डरावने पन ते देखा है। उसके कारण यीशु मसीह क्रूस पा अपणी आंखा लगावा है तो वो क्रूस उसके हृदय तोड़ देवा है। और वो अपणे बहुत पापौ के किए गये बारे मा दुःखी अर शोकित/निराश तथा पश्चाताप करणे लगा है। जिस तरह वो यीशु मसीह द्वारा परमेश्वर के बडे प्रेम ते प्रगट होन्दा हो या देखा है तो उसका हृदय पिघल जाता है। खास कर जद वो यह मालूम करणे लगदा है कि परमेश्वर का पुत्र यीशु उसके इतने बड़े पापो ने उठाना आया, अर क्रूस पर मारा हृदय ते खोल रहा है। पवित्र आत्मा उसके पापी और अन्धेरे हृदय मा चमकणा शुरू कर रहा है। परमेश्वर का उजियाला उसके हृदय मन मन्दिर मा प्रवेश कर का सब अन्धकार ते बाहर निकाल रहा है। जद परमेश्वर का उजियाला अन्दर आा है तो अन्धेरे ते बाहर निकलना पड़ा है। पाप के बारे मा यहॉ कैई

अलग–अलग प्रकार ते जानवरौ की तस्वीर दिखाया का बताया गया कि किस प्रकार इन तै भागना पड़ा। इसलिए प्रिय पाठक! यीशु मसीह को जो जगत की ज्योति है इसमें तम अपणै ह्रदय मा आने दीजिए। और पापमय अन्धकार के कामौ ते ह्रदय से छोड़ दिजिए। जैसा की तस्वीर मा दर्शाया गया है। प्रभु यीशु ने की, ' जगत की ज्योति मै हूँ। जो मेरे पीछा हो लेवा, वो अन्धकार मा ना चलेगा, वरन जीवन की जोहि पावेगा।' (यूहन्ना 8 : 12) आप ने खुद स्वर्ग मा जाणे का प्रयत्न या अपनी समझ या बुद्वि के सहारे ते अपणे ह्रदय के अन्धकार ते दूर करणे मा तम सफल की होणे के। सब ते आसान, सब ते सच, सब ते जल्दी सब ते ज्यादा प्रभावशाली एक तरीका है वो यु है कि तम यीशु जो जोति है,' अपणे ह्रदय मा आणे दे या आणे वास्ता उसका स्वागत करा। और अन्धकार जो पाप है,' अपणे आप निकल पडैगा। चन्द्रमा, तारे अन्धेरे मा रात के टैम मा मारी कुछ सहायता करता है। परन्तु जब सूर्य निकल आवा है जावा है। प्रभु यीशु ही धर्म का सूर्य है या लौगो के ह्रदय का सूर्य है इसकी किरणों है लोग चंगाई पांवा है। और पाप का अन्धकार निकल जाता है। जब यीशु यरूशलेम के मन्दिर मा प्रवेश करा, 'तो उसने उन सभौ को मन्दिर तै बाहर कर दिया, जो बैल और कबूतरों का व्यापार कर रहे।

तस्वीर न0 3

पूरी तरह पछताण वाला ह्रदय

यह सच्ची घटना है कि यीशु को कोडे मारे गये, कांटों का ताज उसे पहनाया गया, उसके हाथों और पैरों में निर्दयता से कीलें ठोंके गये और सारे ही पापों के बदले में वह क्रूस पर मारा गया। यह सभी घटनाएं स्पष्ट और गहराई के साथ उस पश्चातापी मनुष्य के हृदय में प्रभाव डालती हैं कि उसका हृदय एवं जीवन ही बदल जाता है, जैसे–जैसे वह परमेश्वर के वचन को पढता जाता है, तो वह अपने को वैसा ही देखता जाता है जैसे दर्पण में देखता और मालूम करदा है कि वह परमेश्वर से घणी दूर हो गया है और उसकी आज्ञाओं के विरूद्ध अपराधी बन गया है। अब उसे गम्भीर और धार्मिक पछतावा होता है और जब वह अपने हृदय को परमेश्वर के सामने आंसू और विलाप के साथ उडेल देता है, तो यीशु भी उसके सामणी आता है। जब वह यह मालूम करने लगता है, कि "परमेश्वर के पुत्र यीशु का लोहू हमें सब पापों से शुद्ध करदा है" (1 यूहन्ना 1:7) तो परमेश्वर का प्रेम और शान्ति उसके हृदय में प्रवेश करती है। वह यह प्रतीत करने लगता है कि "यहोवा टूटे मन वालों के समीप रहता है, और पिसे हुओं का उद्धार करता है" (भजन 34:18)। परमेश्वर का वचन आगे कहता है कि मैं उसी की ओर दृष्टि करूंगा जो दीन और खेदित मन का हो, और मेरा वचन सुनकर थरथराता हो" (यशायाह 66:2)। पवित्रात्मा यीशु के मधुर वाणी उसे सुनाता है कि "हे पुत्र (पुत्री) ढांढस बांध, तेरे पाप क्षमा हुए"। जब कि वह अभी तक मसीह के क्रूस की ओर टकटकी लगाये देख रहा है, जहां यीशु उसके पापों के बदले में मारा गया, तो वह यह मालूम करने लगता है कि अब उसके पापों का बोझ उठा लिया गया है, क्योंकि यीशु ने हमारे दुख, शोक और रंज को सहन किया और अपने ऊपर उठा लिया, क्योंकि "वही (यीशु) हमारे अपराधों के कारण घायल किया गया, वह हमारे अधर्म के कामों के हेतु कुचला गया और यहोवा ने हम सभों के अधर्म का बोझ उसी पर लाद दिया" (यशायाह 53)।

इस तस्वीर में पान दर्शाने वाले सभी जन्तु अब हृदय के बाहर हो गये हैं, यद्यापि शैतान अपने पहले के निवास स्थान को छोडने का इच्छुक नही है, अतः वह पीछे घूम कर देख रहा है कि किसी प्रकार उसमें प्रवेश पा सके। इसी के कारण यीशु ने सचेत करते हुए कहा है कि हम जागते और प्रार्थना करते रहें और शैतान का सामना करें कि वह हमसे दूर भागे।

Copyright ANCB

चौथी तस्वीर

यो तस्वीर उस मसीही का है जो प्रभु और उद्धारकर्त्ता यीशु मसीह के बलिदान द्वारा पूर्ण शान्ति और छुटकारा प्राप्त कर चुका है और अब वह किसी बात की बडाई नही करता "सिवाय प्रभु यीशु मसीह के क्रूस का जिसके द्वारा संसार उसकी दृष्टि में और वह संसार की दृष्टि में क्रूस पर चढाया गया है" (गलतियों 6:14) यीशु क्रूस पर इसी लिये मारा गया जिससे हम भी "पापों के लिये मर कर धार्मिकता के लिये जीवन बितायें" (1 पतरस 2:24) एक मसीही संसार की इच्छा के विरूध क्रूस पर चढाया गया है। हमें आज्ञा दी गई है कि "आत्मा के अनुसार चलें और शरीर की लालसा को किसी रीति से भी पूरा न करें" (गलतियों 5:16,25) खम्भा भी जिस पर प्रभु यीशु को उसके कपडे उतारे जाने के बाद बांधा गया था, इस चित्र में दिखलाया गया है जिससे वह निर्दयता के साथ मारा गया था। वह हमारे ही अपराधों के कारण घायल किया गया, और हमारे अधर्म के कामों के हेतु कुचला गया. शान्ति के हेतु उस पर ताडना पडी कि उसके कोडे खाने से हम चंगे हो जायें" (यशायाह 53:5)।

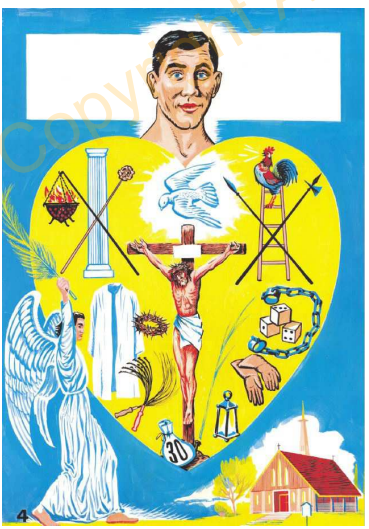

तस्वीर न0 4

मसीह के साथ क्रूस पर चढाया हुआ व्यक्ति

हेरोदेश और उसके लोगों ने यीशु का ठट्टा उड़ाया, और सोने का मुकुट पहिनाने के बदले, उसे कोडे मार कर उसके सिर पर कांटो का ताज रख कर उसे दबाया। इसके बदले कि यीशु के हाथ में बादशाह का राजदण्ड दें, उन्होने उसके दाहिने हाथ में सरकण्डा रख दिया, और उसका ठट्टा करते हुए कहा "हे यहूदियों के राजा, तेरी जय हो" और उसी सरकण्डे से उसके सिर पर पीटा। इस प्रकार बडी निर्लज्जता और निर्दयता से ठट्टा करने के बाद उन्होने उसे क्रूस पर चढाने के लिये बाहर ले गए।

बहुत से नाम के मसीह हैं जो गिरिजाघरों में आराधना करते हैं, प्रभु भोज का विधि में भाग लेते हैं, परमेश्वर की स्तुति के गीत गाते तो हैं, परन्तु वे अपने बुरे कामों के कारण निरन्तर अपने उद्धारकर्त्ता प्रभु यीशु को दुखित करते और क्रूस पर दोबारा चढ़ाते हैं। "जो मुझ से हे प्रभु, हे प्रभु कहते हैं, उनमें से हर एक स्वर्ग के राज्य में प्रवेश न करेगा, परन्तु वही जो मेरे स्वर्गीय पिता की इच्छा पर चलता है" (मत्ती 7:21–27)

इस तस्वीर में हम धन की एक थैली भी पातें हैं जो यहुदा इस्कारियोती का है, जिसने अपने प्रभु यीशु को 30 चान्दी के टुकडों में बेच डाला, क्योंकि रूपये के लोभ ने उसके हृदय और मन की आंखो को अन्धा कर रखा था। लालटैन और जंजीर उन सिपाहियों द्वारा प्रयोग किया गया जिन्होने यीशु को रात के समय गिरफ्तार किया था।उन्होने साथ में चिट्ठी डाल कर यीशु के कपडे भी बांट दिये थे और परमेश्वर के वचन की उस भविष्यद्वाणी को पूरा किया कि "वे मेरे वस्त्र आपस में बांटते हैं और मेरे पहिरावे पर चिट्ठी डालते हैं" (भजन संहिता 22:18) उन्होने यीशु से सब कुछ छीन लिया और उसका इन्कार करते हुए कहा "हम नही चाहते हैं कि यह मनुष्य हम पर राज्य करे"।

भाले के द्वारा सिपाहियों ने यीशु के पंजर और हृदय को बेधा "और उसमें से तुरन्त लोहू और पानी निकला" (यूहन्ना 19:33–37)। मुर्ग के बांग देने से पहिले पतरस ने यीशु का तीन बार इन्कार किया, परन्तु बाद में फूट–फूट कर रोकर उसने पश्चाताप किया। क्या आप अपनी गवाही और कार्यो के द्वारा यीशु को मान लेतें हैं? या मनुष्यों के सामने यीशु का इकरार करने से शर्माते हैं। यीशु ने कहा "जो कोई मनुष्यों के सामने मुझे मान लेगा,

Copyright ANGP

उसे मैं भी अपने स्वर्गीय पिता के सामने मान लूंगा। परन्तु जो कोई मनुष्यों के सामने मेरा इन्कार करेगा उससे मैं भी अपने स्वर्गीय पिता के सामने इन्कार करूंगा"। (मत्ती 10:32,33)

यीशु ने यह भी कहा कि "जो अपना क्रूस लेकर मेरे पीछे न चले वह मेरे योग्य नही" (मत्ती 10.38) धन्य हैं वे जो उस चट्टान पर जो यीशु मसीह हैं, उसमें स्थिर खडे होते हैं।

पांचवी तस्वीर

यह उस पापी मनुष्य के धोये और पवित्र किये हृदय की तस्वीर है जब वह परमेश्वर के अनुग्रह और दया के बहुतायत से बचाया गया है। यह हृदय अब परमेश्वर का सच्चा मन्दिर और त्रिएक परमेश्वर अर्थात परमेश्वर पिता, पुत्र और पवित्रात्मा का निवासस्थान बन गया है, जैसा कि यीशु ने प्रतिज्ञा की थी कि "यदि कोई मुझसे प्रेम रखे, तो वह मेरे वचन को मानेगा, और मेरा पिता उससे प्रेम रखेगा, और हम उसके पास आयेंगे, और उसके साथ बास करेंगे" (यूहन्ना 14:23) परमेश्वर यीशु मसीह के द्वारा दीन दुखियों का आदर करता, आशीष देता और उन्हे ऊपर उठाता है" (लूका 1:52)।

अब यह हृदय परमेश्वर का सच्चा मन्दिर बन गया है। पाप उसके हृदय से दूर किया गया है शैतान जो झूठ का पिता है, उसके द्वारा प्रभावित विभिन्न जानवरों के बदले अब हम पवित्रात्मा और सत्य की आत्मा को उसके हृदय में वास करते और राज्य करते हुए देखते हैं।

पाप का घृणित निवासस्थान होने के बदले अब उसका हृदय सुन्दर फलदायी बगीचा के समान बन गया है, जिस में आत्मा के फल अर्थात प्रेम अनन्द, मेल, धीरज, कृपा, भलाई, विश्वास, नम्रता, संयत तथा दीनता के फल लगते हैं जो परमेश्वर और मनुष्य को भाते हैं। अब वह सच्ची दाखलता जो यीशु मसीह है उसका फलदायक डाली बन जाता है। उसमें आत्मा के फल उत्पन्न होने का भेद इसी में है कि वह मसीह में और मसीह और उसका वचन

CopyrightANGP

उसमें बना रहता है (यूहन्ना 15:1–10) अब जबकि वह पवित्रात्मा से भर गया हैऔ र उसका बपतिस्मा पाया है, तो आत्मिक प्राप्त होती है कि वह शरीर और उसकी अभिलाषों से भरी वासनाओं पर जय पाने और पुराने मनुष्यत्व को क्रूस पर चढाता है।

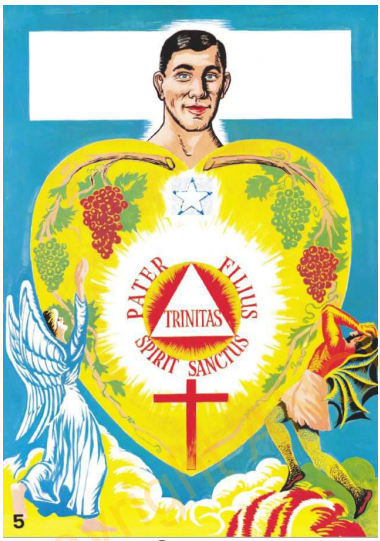

तस्वीर न0 5
परमेश्वर का मन्दिर

पवित्रत्मा की सामर्थ से वह आत्मा के अनुसार चल कर शरीर की अभिलाओं पर जयवन्त होता है। अब वह देखने, सुनने और सोचने के अनुसार नही वरन विश्वास से जीवित रहता है, क्योंकि यीशु मसीह पर विश्वास करना ही संसार पर जय पाना है। उसकी यह जीवित आशा है कि वह अपने प्रभु यीशु को महिमा में फिर देखेगा, और इस प्रकार परमेश्वर के प्रेम में बना रहता है, जो सदा काल तक रहता है।

"धन्य हैं वे जिनके मन शुद्ध हैं, क्योंकि वे परमेश्वर को देखेंगे" (मत्ती 5:8) दाऊद राजा, अपनी सारी धन–सम्पत्ति तथा बाहरी शत्रुओं के ऊपर विजयी होते हुए इस बात को भली–भांति जानता था कि सबसे भारी युद्ध इसके स्वंय के हृदय में लडा जा रहा है। अतः वह अपनी आन्तरिक आवश्यक्ता को

मालूम करते हुए यह प्रार्थना करता है। कि "हे परमेश्वर मेरे अन्दर शुद्ध मन उत्पन्न कर, और मेरे भीतर स्थित आत्मा नये सिरे से उत्पन्न कर" (भजन संहिता 51:10) कोई इस योग्य नही है कि अपने हृदय को शुद्ध कर सके, और न अपने मन में शुद्ध मन उत्पन्न कर सकता है, सिवाय इसके कि वह पश्चातापी हृदय से परमेश्वर की ओर फिरे, जैसा कि दाऊद ने किया और परमेश्वर से प्रार्थना करे उसके अन्दर शुद्ध मन और नया हृदय उत्पन्न करे। परमेश्वर आपके जीवन में नया काम करने का इच्छुक है। परमेश्वर की दृष्टि में मनुष्य की धार्मिकता मैले–चिथडे कपडे के समान है और वह हमारे हृदय में परमेश्वर का निवासस्थान नही बना सकता है

परमेश्वर आप की सहायता करने को तैयार है क्योंकि उसने प्रतिज्ञा की है कि "मैं तुम पर जल छिडकूंगा, और तुम शुद्ध हो जाओगे और मैं तुम को तुम्हारी सारी अशुद्धता और मूरतों से शुद्ध करूंगा। मैं तुम को नया मन दूंगा, और तुम्हारे भीतर नयी आत्मा उत्पन्न करूंगा, और तुम्हारी देह में से पत्थर का हृदय निकालकर तुम को मांस का हृदय दूंगा। और मैं अपनी आत्मा तुम्हारे भीतर देकर ऐसा करूंगा कि तुम मेरी विधियों पर चलोगे। और मेरे नियमों को मानकर उसके अनुसार करोगे" (यहेजकेल 36:25.27)। यही नया नियम है जिस पर परमेश्वर ने अपने पुत्र यीशु मसीह के लोहू से छाप लगा रखी है।

इस तस्वीर में हम देखते हैं कि एक स्वर्गदूत फिर प्रकट हो रहा है। स्वर्गदूत को उन लोगों की सेवा के वास्ते नियुक्त किया गया है जो अनन्त जीवन पाने के वारिश होगें, क्यों कि" यहोवा के डरवैयों के चारों ओर उसका दूत छावनी किये हुए उनको बचाये रहता है। (दानिएल 6:22., मत्ती 2:13)

इस तस्वीर में शैतान भी खडा हुआ दिखाया गया है, जो मनुष्य के हृदय के निकट खडा होकर मौका ढूंढ़ रहा कि फिर अपने पुराने स्थान में जा बसे: इसी लिये हमें आज्ञा दी गई है कि जागते रहें और प्रार्थना करते रहें क्योंकि हमारा विरोधी शैतान गरजने वाले सिंह की नाई इस खोज में रहता है कि किस को फाड खाये" (1 पतरत 5:8) बहुधा शैतान उजियाले के दूत का रूप धारण कर पवित्र लोंगों और भक्तों को जो जागने प्रार्थना करने में जो

सुखाये गये हैं, उन्हे संसार की बुरी वासनाओं और शारीरिक अभिलाषाओं के द्वारा बहकाता और गिनता फिरता है। और अपनी धूर्त चाल के द्वारा चुने हुओं को भी धोखा देने का यत्न करता रहता है। अतः यदि हम शैतान का सामना करें तो वह दूर भागेगा" (याकूब 4:7)।

छठवां तस्वीर

ये तस्वीर पीछे फिसलने वाले व्यक्ति की दुखित तस्वीर है। उसकी आंख बन्द होने लगी है जो यह प्रगट करती है अब वह ठन्डा होना शुरू हो गया है और अपने मसीही जीवन में निश्चित होकर सो रहा है जबकि उसकी दूसरी आंख निर्लज्जता से चारों ओर देख रही है कि संसार में प्रेम वासना करे। उसकी भीतरी ज्योति अब धीमी पड गयी है, और उसको हृदय का चिन्ह जिससे वह मसीह के लिये दुखों को सहने को तैयार रहता था, अब धीमी पड गयी है और धर्मी नही रह गयी है। वह चारों ओर परीक्षाओं से घिरा हुआ है, और उनका सामना करने के बदले उसमें गिरता और फंसता जा रहा है। परमेश्वर की मधुर वाणी सुनने के बदले, अब वह शैतान और उसकी धूर्तता से भरी झूठी प्रतिज्ञा की ओर ध्यान देने लगा है। यद्यपि वह अब भी इतवार की आराधना करने गिरजाघर में जाता है और धर्म की आड में अपनी सांसारिक अभिलाषों को छिपाए रहता है, परन्तु परमेश्वर का प्रेम उस के हृदय में ठण्डा पड गया है। वह दो विचारों के बीच में फंस कर दो–चिता हो गया है। वह परमेश्वर से प्रेम रखने का ढोंग रचता तो है, परन्तु अधिकततर संसार की ओर खींचता जाता है। उसके हृदय का तारा अर्थात विवेक धीमा पडता जा रहा है अब वह क्रूस को मुस्कराहट के साथ नही उठाले जाता क्योंकि अब वह एक भारी बोझ सा हो गया है। उसका विश्वास डगमगाने लगा है और प्रार्थना के द्वारा परमेश्वर से संगति और बातचीत बन्द हो गयी है। वह अपने हृदय की दशा के प्रति लापरवाह हो गया है। और अपने हृदय में शैतान के वास्ते जगह बना रहा है। अब अपने सच्चे देशवासियों की संगति से अधिक सांसारिक संगति का आनन्द उठाने लगा है।

मोर की आत्मा, जो घमण्ड का प्रतीक, अब उसके हृदय में प्रवेश ढूंढ़ने लगती है। वह इस बात को भूल जाता है कि वह अनुग्रह से बचाया गया था

COPYRIGHT ANGF

और अब वह घमण्डी मसीही बन गया है।शराबी उसके हृदय के दरवाजे पर खटखटाते और प्रवेश करना चाहते हैं। शैतान उसे बतलाता है कि विशेष अवसर में सांसारिक मित्रों से संगति रखने में उसकी आत्मिक जीवन में कोई बिगाड नही आ सकेगा। शारीरिक विचार और वासनाएं उसको अब मालूम होने लगती हैं। अब वह बुरे से युक्त मजाकों , बुरे चित्रों, अनैतिक संगतियों, नाच–रंगो,प्रश्न युक्त मनोरंजनो इत्यादि का चाहक बन गया है और शैतान के बुरे सुझावों को मानो निगल जाने लगा है जो यह कहने लगे हैं कि यह तो बिल्कुल स्वाभाविक ही है कि यदि एक पाप किया तो वह पाप नही है।

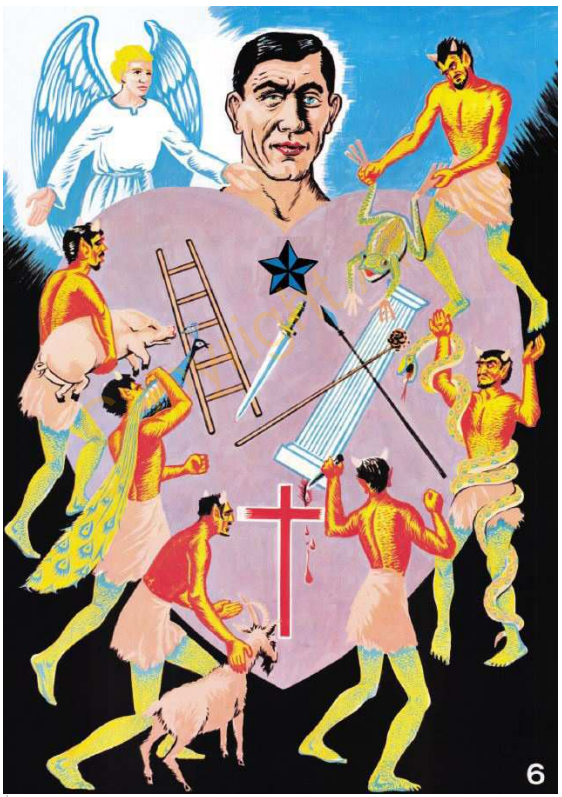

तस्वीर 6
परीक्षित और बंटा हृदय

तस्वीर का यह भी दिखाया गया है कि एक मनुष्य हृदय में छुरा मार रहा है, जो मसीही धर्म के विरोधियों और ठट्ठा उडाने वालों को बतलाता है। ऐसा वे अपने कपटी जीभ और ठट्ठा करने वाले होंट से करते हैं। और मसीहियों के दिल को घायल करते हैं। और उन्हे विभाजित करते हैं। ताकि फूट पडे अलगाव हो और नशा हो जावे। वह परमेश्वर से डरने के बजाय मनुष्यों से डरने लगता है कि मनुष्य उसके लिये क्या कहेगा या करेगा, अतः मनुष्यों का गुलाम बन जाता है और परमेश्वर से दूर हो जाता है संकट निराशता के समय क्रोध और बुरे विचार आने लगते और हृदय में प्रवेश पाने लगते हैं। जलन रखने वाला वह काला सांप उस समय प्रवेश करता है जब वह दूसरों को खुशहाल और सफल होता हुआ देखता है यहां चित्र में मनुष्य के हृदय में प्रवेश पाने का प्रयत्न कर रहा है ताकि घमण्ड और घृणा को उत्पन्न करे। पैसे के लोभ का हृदय में घुस आना बहुत ही सहज है इसी लिये प्रभु यीशु ने चितावनी देते हुए कहा" जागते और प्रार्थना करते रहो कि तुम परीक्षा में न पडो' (मत्ती 26:41)।" इस लिये जो समझता है कि मैं स्थिर हूं वह चौकस रहे कि कहीं गिर न पडे "(1 कुरि– 10:12)"। हमें परमेश्वर के सारे हथियार बांध लेना है कि शैतान की युक्तियों के सामने खड़े हो सकें (इफिसियों 6:11–18)।

सातवां तस्वीर

ये तस्वीर मनुष्य के पीछे फिसली हुई दशा को बतलाता है। जिसमें कि वह एक समय परमेश्वर के पुत्र यीशु मसीह के द्वारा मुक्ति के विषय में समझदार था स्वर्गीय वरदानों का स्वाद चख चुका था और पवित्रात्मा की संगति में सहभागी था, परन्तु अब पतित हो गया है। यह उस मनुष्य के हृदय की दशा को भी बताता है, जिसने समाचार की सत्यता, जिसे "अच्छा सन्देश" कहते हैं, उसे सुना, परन्तु अपने पापों से कभी पश्चाताप नही किया और न दीन होकर अपने को परमेश्वर के सामने अपर्ण किया। एक मनुष्य जब परमेश्वर उससे निवेदन करता है उस समय यदि अपने दिल को कठोर बना लेता है तो और भी बुरा बन जाता है और चाहे उसके सुधार के लिये कितना ही परिश्रम किया जावे वह सुधार नही सकता है।

Copyright AMCP

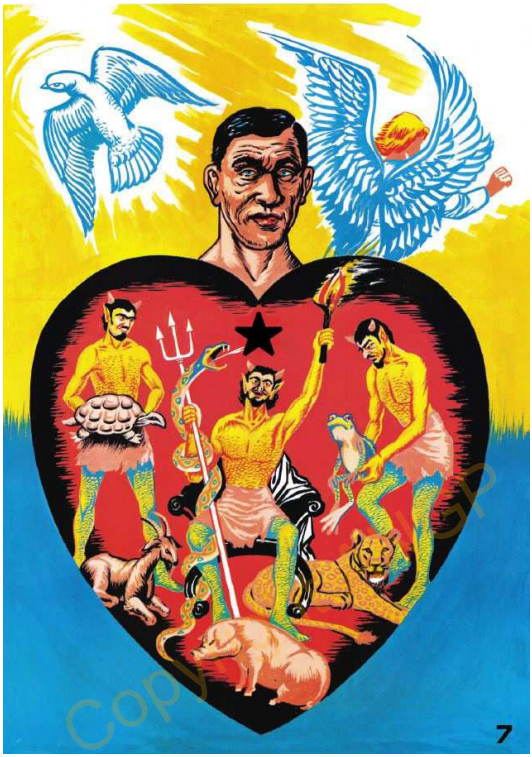

तस्वीर न0 7

कडा बना हुआ हृदय

पीछे फिसलने वाले की दशा का वर्णन करते हुए यीशु आप ही कहता है कि "जब अशुद्ध आत्मा मनुष्य में से निकल जाती है तो सूखी जगहों में विश्राम ढूंढ़ती फिरती है: और जब नही पाती तो कहती है, कि मैं अपने उसी घर में जहां से निकली थी लौट आऊंगी। और आकर इसे झडा–बुहारा सजा–सजाया पाती है। तब वह जाकर अपने से बुरी सात आत्माओं को अपने साथ ले आती है और वे उसमें बैठकर वास करती है, और उस मनुष्य की पिछली दशा पहिले से भी बुरी हो जाती है" (लूका 11:24–26)। "उन पर यह कहावत ठीक बैठती है, कि कुत्ता अपनी छांट की ओर और धोई हुई सुअरनी कीचड़ में लोटने के लिये फिर चली जाती है " (2 पतरस 2:22)

पवित्रात्मा और उस नम्र कबूतर को भी लाचार हो कर उस हृदय को छोडना पडा क्यों कि पाप और पवित्रात्मा एक साथ नही रह सकते हैं। यह असम्भव है कि हृदय परमेश्वर का मन्दिर बना रहे और साथ में शैतान की खोह भी बनी रहे। स्वर्गदूत अर्थात परमेश्वर का वचन को भी उदास पूर्ण होकर उसके हृदय को छोडना पडा तो भी आशा के साथ वह पीछे देखता है कि अब भी वह पश्चाताप करे, जैसा उडाऊ पुत्र ने किया "मैं अब उठ कर अपने पिता के पास जाऊंगा और उससे कहूंगा कि पिता जी, मैने स्वर्ग के विरोध में और तेरी दृष्टि में पाप किया है। अब इस योग्य नही कि तेरा पुत्र कहलाऊं, मुझे अपने एक मजदूर की नाई र.ख ले" (लूका 15:18) इस पिता ने अपने पुत्र को पश्चातापी देख कर उसे क्षमा किया और अपने घर में फिर बहाल किया।

तस्वीर को देखने से मालूम पडता है कि उसके हृदय में कोई सच्चा पछतावा नही है, न परमेश्वर की ओर फिरने की इच्छा हैं। और न ही यीशु के चरणों के पास जाकर क्षमा ढूंढ़ने की इच्छा है। उसका विवेक मानो ऐसा है कि गरम लोहे से दागा गया हो औ चुप कर दिया गया हो उसके पास कान तो हैं परन्तु वह यीशु के विनम्र और मधुर वाणी को सुन नही सकता है उसके पास आंखे तो हैं परन्तु वह उस नरक के अथाह कुण्ड को देख नही सकता जो उसके पैरों के पास मुंह फाडे हुए हैं। उसको अब अपने पापों में बने रहने में कोई ल़ज्जा नही आती है' क्यों कि शैतान अब उसके हृदय में राज्य करने आ गया है और उसके हृदय में सिंहासन में राजा की नाई बैठा है। यह सम्भव है कि वह अब भी बाहरी तौर से भला और आदरणीय लगता हो और धार्मिक एवं भक्ति का दिखावा रखता हो परन्तु वह चूना फेरी हुई कबर के समान है, जो ऊपर से तो सुन्दर दिख़ायी पडती है परन्तु भीतर मुर्दो की हड्डियों और सब प्रकार की मलिनता से भरी है" (मत्ती 23:27)।

Copyright ANGP

इस प्रकार झूठों का पिता, शैतान ने सत्य की आत्मा अर्थात यीशु मसीह की जगह पर कब्जा कर रखा है। हर एक जानवर पाप को प्रगट करता है जो अब विशेष दुष्टात्मा के साथ उसके हृदय में समाया हुआ है। यद्यपि वह अपने आप को इन बुरे सताने वाली दुष्टात्मा से स्वतन्त्र करना चाहता है परन्तु अब उन्होने उसे ऐसा बांध रखा है कि छुटकारा पाना कठिन है। "जबकि मूसा की व्यवस्था का न मानने वाला दो या तीन जनों को गवाही पर बिना दया

के मार डाला जाता है। तो सोच लो कि वह कितने और भी भारी दण्ड योग्य ठहरेंगे, जिसने परमेश्वर के पुत्र को पांवो से रौंदा, और वाचा के लोहू को जिसके द्वारा वह पवित्र ठहराया गया था, अपवित्र जाना है, और अनुग्रह की आत्मा का अपमान किया है "(इंब्रानियों 10:28,29,2 पतरस 1:14)।

प्रिय मित्र, यदि तस्वीर आपके हृदय से मिलती है, तो बिना देरी किये आप परमेश्वर को पुकारिये और अपने हृदय की गहराई से उसकी दोहाई दीजिये। "वह (यीशु) उनका पूरा उद्धार कर सकता है क्योंकि वह उनके लिये विनती करने को सर्वदा जीवित है"। क्योंकि परमेश्वर योग्य और इच्छुक है कि जो सच्चे पश्चातापी की आत्मा से उसके पास आते हैं, उनके पापों को क्षमा करे और बहाल करे। वह शैतान और उसके अन्धकार की सारी सेना को बांध सकता है और उनको आप के हृदय से बाहर निकाल सकता है, यदि आप इच्छुक हैं कि वह आप के लिये यह कार्य करे और अपने दिल में उसे आने दें। उस कोढ़ी मनुष्य के समान आइये जिसने यीशु से कहा', हे प्रभु यदि तु चाहे तो मुझे शुद्ध कर सकता है।

Copyright ANGS

आठवीं तस्वीर

यो तस्वीर हम उस टालमटोल करने वाले और कठोर पापी को मृत्यु के पास पहुंचते हुए देख रहे हैं, उसका सारा शरीर पीड़ा से और आत्मा मृत्यु के डर से भर गया है। मृत्यु जो हड्डी के ढांचे का रूप है, अचानक और अनिच्छुक समय पर आ पहुंची है। पाप से खेलने का थोडे समय का सुख एक धोखा और अब वह भी जाता रहा। पाप की वास्तविक दशा अपनी मजदूरी के रूप में प्रगट हो गयी है जिसका वह अब सामना करता है नरक की पीड़ाएं अपने शिकार के ऊपर पंजा जमाने लगी हैं वह प्रार्थना तो करना चाहता है, परन्तु परमेश्वर के साथ वार्तालाप नही कर पाता है, क्योंकि काफी समय तक उसने परमेश्वर के प्रेम को ठुकरा दिया। उसके मित्र अब उसके बिस्तर के पास खड़े होने से डरते हैं, और उनके शून्य शान्ति के वचन से वह सन्तुष्ट नही होता। दुराचार और अन्याय से कमाया हुआ धन न तो उसके जीवन को बढ़ा रहा है और न ही उसकी आत्मा और प्राण को बचा सकता है। वह बड़ी

सकेती और पीड़ा में पड़ा है। शैतान उसे परमेश्वर की बातों की ओर ध्यान लगाने से रोकता है।

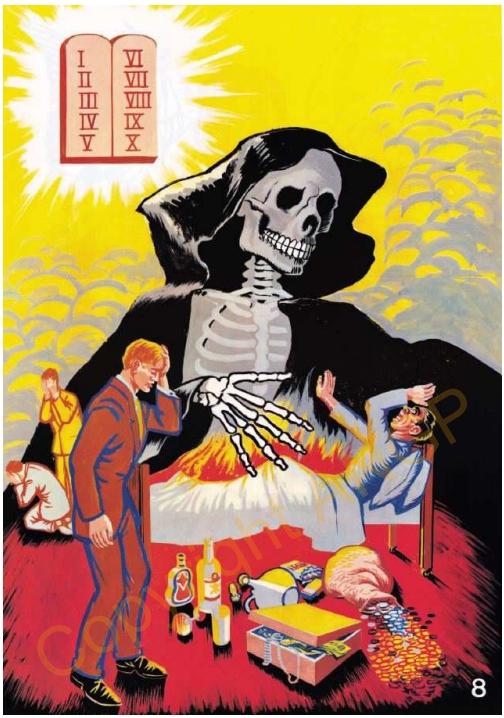

तस्वीर नं 8
पापी का प्रतिफल

अब हर चीज जिस से उसने प्यार किया और जिस के लिये वह जीया अब उसका ठट्ठा उडाते हुए से प्रतीत होने लगी हैं। यहां तक कि उसके अविश्वास के योग्य और शायद मन न फिराये हुए पादरी (अध्यक्ष) भी असहाय हैं क्यों कि उसने परमेश्वर के अनुग्रह को ठुकरा दिया और परमेश्वर की आज्ञा द्वारा दोषी ठहराया जा चुका है। उसे अब मालूम होने लगा है कि जीवते" परमेश्वर के हाथों में पडना भयानक बात है" (इब्रानियों 10:31) उसे आशा थी कि एक दिन किसी उपयुक्त समय में मृत्यु शैय्या पर, परमेश्वर से वह अपना

सम्बन्ध ठीक करके मेल – मिलाप कर लेगा, परन्तु अब उसे मालूम होता है कि बहुत देरी हो गयी है और कुछ बन नही सकता है। हजारों मनुष्य अचानक मर जाते हैं और उनको मृत्यु हर चीज जिससे उसने प्यार किया और जिसके लिये वह जीया, शैय्या पर मौका ही नही मिल पाता है कि वे परमेश्वर को ढूंढ सकें और मेल करें। इस लिये यह जरूरी है कि हम परमेश्वर को इसी समय ढूंढे जब कि वह मिल सकता है। परमेश्वर के शान्ति पूर्ण और बचाने वाले शब्दों को सुनने के बदले वह मरता हुआ पापी मनुष्य अपने न्यायकर्त्ता के शब्दों को सुनता है कि, हे श्रापित लोगों मेरे सामने से उस अनन्त आग में चले जाओ, जो शैतान और उसके दूतों के लिये तैयार की गई है" (मत्ती 25:41)। क्योंकि "मनुष्यों के लिये एक बार मरना और उसके बाद न्याय का होना नियुक्त किया गया है" (इब्रानियों 9:27)।

नवां तस्वीर

यो तस्वीर एक ऐसे मसीही की दशा को बताती है जो कठिन जांचों और परीक्षाओं में से जीतते और प्रज्जवलित होते हुए निकला है। जब कि चारों ओर वह परीक्षाओं से घिरा था, वह हर दशा में स्थिर बना रहा और अन्त तक सहता रहा और यीशु मसीह के द्वारा जयवन्त से भी बढ़ कर निकला। वह केवल मसीही दौड में प्रवेश ही नही होता है परन्तु उस में भिडा रह कर ध ीरज से दौडता है। वह न दाहिने देखता है और न बायें परन्तु " विश्वास के कर्त्ता और सिद्ध करने वाले यीशु की ओर ताकता रहता है (इब्रानियों 12:2)।

शैतान अपनी सारी अन्धकार की सेना के साथ मसीह के विश्वासियों को चारों ओर घेरे रहने का व्यर्थ ही प्रयत्न करता है कि उन्हे अपनी ओर बहका कर गिरा दें। घमण्ड, रूपयों (धन) का लोभ, अनैतिक व्याभिचार की दुष्टात्मा और इसी प्रकार के कई और पाप भी यहां दिखाये गये हैं चीता के स्थान पर अब हम एक गधा को देखते हैं, क्योंकि पाप बहुधा हमारे पास भिन्न–भिन्न रूपों और नामों के साथ आता है। परन्तु सचेत, जागृत और सतर्क मसीही पाप को पहिचान कर समझ सकता है पाप कभी धर्म की आड में धर्म के नाम से आता

है तो कभी ज्योति के स्वर्गदूत की आड में प्रगट होता है जिसे प्रार्थना करने वाला सतर्क मसीही पहिचान सकता है, क्योंकि परमेश्वर का वचन और उसकी सत्य आत्मा सच्चाई के मार्ग में उसकी अगुवाई करता है। चित्र में एक मनुष्य अपने हाथ में शराब की बोतल और गिलास लिये, इस मसीही के चारों ओर नाच रहा है और संसार की वासनाओं और थोडे समय के सुख की परीक्षा में उसे फंसा कर गिराने का प्रयत्न कर रहा है। परन्तु परमेश्वर को अर्पित किये गये मसीही के ऊपर उसका कोई असर नही पडता क्योंकि उसने अपने आप को यीशु खीष्ट के साथ पाप और संसार को बुराइयों के प्रति क्रूस पर चढाया है।

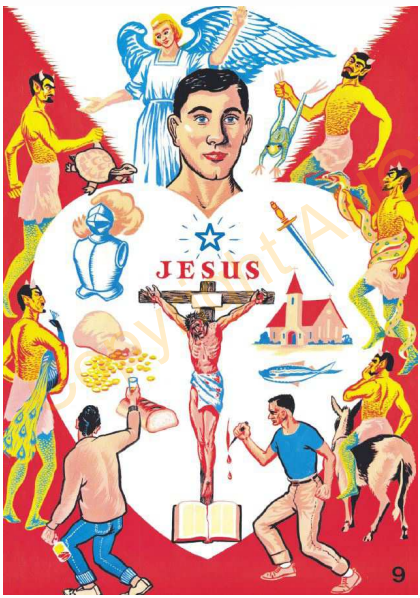

तस्वीर न0 9

जीतने वाला हृदय

इस तस्वीर में दूसरा मनुष्य एक मसीही को अपनी कटार से बेध रहा है। बुराई करना और बोलना, चुगली, करना और निन्दा और ठट्टा करना और खृष्टि विरोधी शत्रुओं के द्वारा डर–भय की धमकी देना और नाम के मसीहियों द्वारा डराना–धमकाना सच्चे विश्वासी मसीही के हृदय में लगा तार कटार

बेघने के बराबर है। परन्तु वह लोगों के कहने की बातों की परवाह न कर उसके लिये मृतक सा प्रतीत होता है। परमेश्वर क्या कहता है और क्या चाहता है। इसके प्रति वह सदैव जागृत रहता है। यीशु ने कहा " धन्य हो तुम, जब मनुष्य मेरे कारण तुम्हारी निन्दा करे और सताएं और झूठ बोल कर तुम्हारे विरोध में सब प्रकार की बुरी बातें कहें आनन्दित और मगन होना क्योंकि स्वर्ग में तुम्हारे लिये बडा फल है" (मत्ती 5:11,12)

पाप शरीर की अभिलाषा (स्वार्थ) तथा शैतान निरन्तर इस बात का यत्न कर रहे हैं कि उस मसीही को परमेश्वर के प्रेम से दूर करें। परन्तु बडे आनन्द और पूरे भरोसे के साथ वह सचमुच में यह कह सकता है कि" मुझे परमेश्वर के प्रेम से कौन अलग कर सकता है? क्या क्लेश या संकट, या उपद्रव, या अकाल, या नंगाई, या जोखिम, या तलवार। परन्तु इन सब बातों में हम उसके द्वारा जिसने हम से प्रेम किया, जयवन्त से भी बढ कर हैं," (रोमियों 8:35,37)

परमेश्वर के सारे हथियार को पहिनने के पश्चात वह दुष्ट का और बुरे दिन का सामाना करने को तैयार है, और यीशु मसीह के द्वारा सब परीक्षाओं पर जयवन्त होता है, क्योंकि मसीह यीशु भी सभी परीक्षाओं पर जयवन्त हुआ और उसकी शक्ति की सामर्थ में हम विश्वासी भी विजयी बन सकते हैं ताकि महिमा का मुकुट पाएं।

Copyright ANGP

तारा जो उसका विवेक है वह साफ, निर्मल और चमकता है। उसका हृदय विश्वास से और पवित्रात्मा से भरा है। स्वर्गदूत जो परमेश्वर का वचन है, उसको उन बहुमूल्य प्रतिज्ञाओं की याद दिलाता है जो उनको दिए जाते हैं जो जयवन्त होते हैं और अन्त तक धीरज धरे रहते हैं। " जो जय पाए मैं उसे उस जीवन के पेड में से जो परमेश्वर के स्वर्ग लोक में है फल खाने को दूंगा"।

" जो जय पाए, उसको दूसरी मृत्यु से हानि नही पहुंचेगी"।

जो जय पाए, उसको मैं गुप्त मन्ना में से दूंगा, और उसको एक श्वेत पत्थर भी दूंगा' और उस पत्थर पर एक नाम भी लिखा होगा, जिसे उसके पाने

वाले के सिवाय और कोई न जानेगा"। आत्मा फिर कहती है कि " जो जय पाए और मेरे कामों के अनुसार अन्त तक करता रहे, मैं उसे जाति–जाति के लोगों पर अधिकार दूंगा"। जो जय पाए, उसे इसी प्रकार श्वेत वस्त्र पहिनाया जाएगा और मैं उसका नाम जीवन की पुस्तक में से किसी रीति से न काटूंगा पर उसका नाम अपने पिता और स्वर्गदूतों के साम्हने मान लूंगा"। जो जय पाए, उसे मैं अपने परमेश्वर के मन्दिर में एक खंम्बा बनाऊंगा' और वह फिर कभी बाहर न निकलेगा। जो जय पाए, मैं उसे अपने साथ अपने सिंहासन पर बैठाऊंगा, जैसा मैं भी जय पाकर अपने पिता के साथ उसके सिंहासन पर बैठ गया (प्रकाशित–वाक्य 2:7,11, 17,26:3:5, 12,21) पैसों की खुली थैली इस बात को प्रगट करती है कि सिफ्र उसका ह्रदय, परन्तु उसका पैसा भी परमेश्वर को अर्पित किया गया है। अपनी सम्पत्ति को अपने स्वार्थ में व्यय करने के बदले, वह गरीबों की सहायता करता है, अपना दशमाशं देता है, अपनी भेंट, यहां तक कि अपना सब कुछ परमेश्वर को दे देता है और उसकी महिमा के लिये उपयोग में लाता है।

रोटी और मछली इस बात को प्रगट करती है कि वह एक शुद्ध पवित्र और संयमी जीवन जीता है। वह नशीलेपेय, या लोहू को खाने से या गला घोंटे हुए मांस को खाने से या अन्या किसी प्रकार के अशुद्ध भोजन से अपने आप को अपवित्र नही करता हैं वह अपने धन–सम्पत्ति को बरबाद नही करता है और न अपने शरीर बुरी आदतों में पड कर या नशीली वस्तुओं का सेवन कर बिगाडता है क्योंकि वह जानता है कि उसका बदन जीवते परमेश्वर का मन्दिर है। वह न पान–तम्बाकू खाता व पीता है न नशीली दवाओं का सेवन करता और न दाखरस से मतवाला होता है परन्तु वह सन्तुलित शुद्ध तथा स्वास्थ्य वर्धक भोजन करता है। उसका ह्रदय परमेश्वर से प्रार्थना करने का स्थान बन गया। वह आराधना के लिये निरन्तर इतवार को गिरजाघर में जाता है। वह प्रार्थना सभा में जाना पसन्द करता है और स्वंय भी अपने एकान्त प्रार्थना में परमेश्वर से संगति रखता है। उसका स्वंय का ह्रदय प्रार्थना का घर बन गया है। खुली हुई पुस्तक इस बात को प्रगट करती है। कि बाइबल धर्म शास्त्र उसके वास्ते एक खुली किताब है, जिसे वह रोज पढता, अध्ययन करता और बुद्धि समझ, सामर्थ जीवन, ज्योति और अगम्य धन को प्राप्त करता है। वचन अब उसके पांय के लिये दीपक, पथ के लिये उजियाला और एक

Copyright ANGP

तलवार सी हो गयी है जिसके द्वारा वह शत्रु का सामना करता और विजयी होता है। वह उसके लिये दैनिक आत्मिक भोजन है तथा जीवन का पानी है जो उसकी आत्मिक पियास को बुझाता रहता है और वह अपने आप को देखता है।

वह अपने क्रूस को उठाकर मसीह यीशु के चलने से अब लज्जित नही होता है, वरन बडे प्यार और नम्रता के साथ, अपने प्रभु के पद चिहनों पर चलता है वह जानता है कि बिना क्रूस के या पीडा सहे मुकुट प्राप्त नही होता है। वह ज़ानता है कि मसीह के साथ वह जिलाया गया है कि नया जीवन व्यतीत करे, इस लिये वह स्वर्गीय वस्तुओं की खोज में रहता है जो अनन्त काल तक बनी रहती है। संसार और उसके वस्तुओं की तरफ से उसकी रूचि समाप्त सी हो जाती है। वह अपने परमेश्वर से मिलने को तैयार है। वह उस वृक्ष के समान है जो पानी के नजदीक लगाया गया हो और अपने मौसम में फल लाता है। वह मृत्यु से भयभीत नही होता, क्योंकि पवित्रात्मा के द्वारा परमेश्वर का सिद्ध प्रेम उसके ह्रदय को भरपूर किये हुए है।

दसवीं तस्वीर

प्रभु यीशु ने कहा "पुनरूथान और जीवन मैं ही हूं, जो कोई मुझ पर विश्वास करता है वह यदि मर भी जाए, तो भी जीएगा। और जो कोई जीवता है और मुझ पर विश्वास करता है वह अनन्त काल तक न मरेगा (यूहन्ना 11:25–26)

"मैं तुमसे सच–सच कहता हूं, जो मेरा वचन सुन कर मेरे भेजने वाले की प्रतीत करता है, अनन्त जीवन उसका है, और उस पर दंड की आज्ञा नही होती, परन्तु वह मृत्यु के पार होकर जीवन में प्रवेश कर चुका है" (यूहन्ना 6:24)।

मसीहियों को मृत्यु का कोई डर नही है क्योंकि परमेश्वर का वचन उसके ह्रदय में यह गवाही देता है कि "यह नाशमान (शरीर) अविनाश को पहिन लेगा, और यह मरनहार अमरता को पहिन लेगा, तब वह वचन जो लिखा है, पूरा हो जाएगा, कि जय ने मृत्यु को निगल लिया है। हे मृत्यु तेरी

Copyright Angel

जय कहां रही? हे मृत्यु तेरा डंक कहां रहा? मृत्यु का डंक पाप है, और पाप का बाल अवस्था है। परन्तु परमेश्वर का धन्यवाद हो, जो हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा हमें जयवन्त करता है" (1 कुरिन्थियों 15:54–57)। वह व्यक्ति जो परमेश्वर के साथ जीता और चलता है मृत्यु से कभी डरता नही है। जब उसके इसनश्वर संसार से कूच करने का सामर्थ आता है तब वह आनन्दपूर्वक जाता है जैसा कि पौलुस प्रेरित कहता है " जी तो चाहता है कि कूच करके मसीह के पास जा रहूं, क्योंकि यह बहुत ही अच्छा है" (फिलिप्पियों 1:23)।

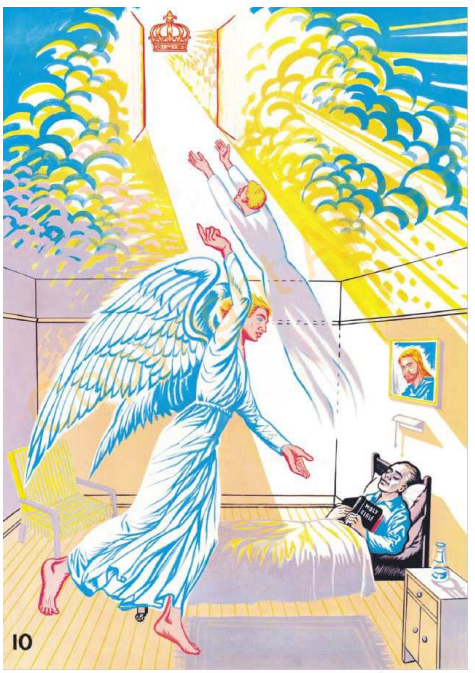

तस्वीर न0 10

महिमामय स्वर्ग

एक मसीही अपने प्रभु यीशु के चेहरे को देखना चाहता है जो उसके उद्धार के लिये क्रूस पर मारा गया और जी भी उठा। परमेश्वर के वचन से

पवित्रात्मा उसे याद दिलाती है कि "तुम्हारा मन व्याकुल न हो, तुम परमेश्वर पर विश्वास रखते हो, मुझ पर भी रखो। मेरे पिता के घर में बहुत से रहने के स्थान हैं– – और मैं तुम्हारे लिये जगह तैयार करने जाता हूं–– और फिर आकर तुम्हे अपने यहां ले जाऊंगा, कि जहां मैं रहूं वहां तुम भी रहो "(यूहन्ना 14:1–3)

डरावनी खोपडी अर्थात मृत्यु के बदले, परमेश्वर का एक स्वर्गदूत इस अन्तिम चित्र में दिखायी देता है वह उस धमीं ठहराये गये आत्मा परमेश्वर के पास ले जाने को ठहरा है। उसका प्राण और उसकी आत्मा अब मरनहार शरीर से निकलकर खुले द्वार से स्वर्ग में अपने प्रभु यीशु से मिलने को ऊठती हैं। वह अपने प्रभु से प्रेम रखता था, उसके लिये जीवित रहा और मरा भी। परमेश्वर की उपस्थिति में उसको आनन्दित स्वागत दिया जायेगा जहां उसका प्रभु इन सिफारिश पूर्ण शब्दों से उससे मिलेगा कि "धन्य हे अच्छे और विश्वास योग्य दास, तू थोडे में विश्वास योग्य रहा, मैं तुझे बहुत वस्तुओं का अधिकारी बनाऊंगा, अपने स्वामी के आनन्द में सम्भागी हो "(मत्ती 25:21)।

Copyright AICP

आखिरी शिक्षा

प्यारे पाठकों परमेश्वर आपकी सहायता करे कि आप अपना ह्रदय उसको दें, जिसने उससे प्यार किया और कहा कि "हे मेरे पुत्र (पुत्री) अपना मन मेरी ओर लगा अर्थात मुझे दे और तेरी दृष्टि मेरे चाल–चलन पर लगी रहे" (नीतिवचन 23:26)। अपने थकित, निराशपूर्ण पीडित एवं बोझ से दबे हुए ह्रदय को यीशु मसीह को दे और उसके सामने खोल दे, वह आपको नया ह्रदय और आत्मा का नया दान देगा। अपने ह्रदय की धोखे की बात में न आइये और न आप अपने स्वार्थी अभिलाषाओं और इच्छाओं के अनुसार चलें, "क्योंकि जो अपने ऊपर भरोसा रखता है, वह मूर्ख है, पर जो बुद्धि से चलता है, वह बचता है"(नीति वचन 28:26)। अपने पापों को त्याग कर, परमेश्वर की धार्मिकता की खोज कर उसी में बना रह, "क्योंकि पाप की मजदूरी तो मृत्यु है परन्तु परमेश्वर का वरदान हमारे प्रभु यीशु मसीह में अनन्त जीवन है" (रोमियो– 6:23)। ।। आमीन ।।

A SPECIAL WORD FROM ANGP
UN MONDE SPÉCIAL DE L'ANGP
UMA PALAVRA ESPECIAL DA ANGP

This booklet "The Heart of Man" is available in over 538 languages and dialects spoken throughout the world (Africa, Asia, The Far East, South America, Europe, etc.) Our Heart Book is now also available on cell phones, tablets, etc from www.angp-hb.co.za or as an APP "Heart of Man" on Android phones.

Le livre du "Coeur de l'homme" peut etre obtenu en plus de 538 langues et dialectes parles dans le monde entier, a savoir: Afrique, Amerique, Asie, Extreme Orient, Europe. Notre Livre du Coeur est maintenant aussi disponible sur votre Telephone cellular, plaques, etc. de www.angp-hb.co.za ou comme une Application "Heart of Man" sur telephones Android.

Este livro "O Coracao do Homem" e obtfdo em mais de 538 linguas e dialectos falados em todo o mundo, a saber: (Africa, Asia, America do Sul, Extremo Oriente, Europa, etc). O nosso Livro O Coração do Homem tambem esta agora disponivel em telefone celular, tablets, etc. de www.angp-hb.co.za ou como um aplicativo "Heart of Man" nos telephones celulares Android.

Copyright ANGP

The 10 heart pictures contained in this booklet are also available in the form of large coloured picture charts (86 x 61cm) bound together in a set of 10 pictures. These "Heart Charts" can be obtained with European or African features and are particularly suitable to be used in conjunction with the Heart Book for class-teaching, open air evangelization etc. Kindly contact us to ascertain the latest subsidized price of this chart.

Les 10 images du coeur qui figurent dans ce livre peuvent etre obtenues en tableaux de couleur, format 86 x 61 cm, avec des physionomies europeennes ou africaines. Ils peuvent etre utilises en meme temps que le livre du coeur pour des classes bibliques, a

l'ecole du dimanche ou lors de reunions de plein air. Soyez aimable de nous contacter pour assurer les derniers prix en cours du tableau.

As 10 imagens do coracao, contidas neste livro podem ser obtidas num conjunto de 10 imagens em colorido no tamanho de (86 x 61 cm). Estes "Cartazes do Coracao podem ser obtfdos com caracterfsticas Europeias e Africanas e podem ser usados em conjuncao com o mesmo livro em classes de ensino biblico, evangelizacao ou ao ar livre. Agradeciamos que nos contacta- se para confirmacao do ultimo preco dos cartazes.

Kindly write to us if you are able to assist us with further translations of our free Gospel literature, informing us of the language into which you could translate this Gospel literature. Your assistance would be appreciated.

Copyright ANGF

If you have found salvation in Christ, or have been otherwise blessed through our Gospel literature, please let us know. We would like to thank God with you, and remember you further in our prayers.

Nous vous invitons a nous contacter pour faire des arrangements concernant de nouvelles traductions de notre litterature, nous informant de la langue dans laquelle vous pouvez traduire cette litterature evangelique. Votre aide sera beaucoup appreciee.

Si vous avez trouve le salut en Christ ou si vous avez ete beni par notre litterature, nous vous prions de nous le faire savoir. Nous aimerions remercier Dieu avec vous et prier pour vous.

Nos vos convidamos a nos contactar, afim de fazer qualquer arranjo concernente a novas traducoes de nossa literatura em outras lfnguas. Vossa assistencia sera muito apreciavel.

Se tem encontrado a salvacao em Cristo, ou se tem sido abencoado por intermedio da nossa literatura evangelica, faca o favor de nos

informar. Pois nos gostarfamos de agradecer a Deus juntamente convosco, e lembra-lo sempre em nossas oracoes.

For free Gospel literature, books and tracts in over 538 languages, write to:

Pour obtenir gratuitement de la litterature evangelique, des livres et des traites en plus de 538 langues, ecrivez a:

Para obter gratuftamente a literatura evangelica, livros e folhetos em mais de 538 lfnguas diferentes escreva para:

ALL NATIONS GOSPEL PUBLISHERS
P.O. Box 2191
PRETORIA
0001
R.S.A.

info@angp.co.za

Copyright ANGP

A Gospel Literature Mission financed by donations
Une Mission de litterature evangelique financee de dons
Missao de literatura Evanqelica financiada por donativos

(Reg. No. 1961/001798/08)